RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 11 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 54 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मोदी की सलाह- पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल

एक साल तक न खरीदें सोना, आज वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत, पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए मेट्रो और कार पूलिंग अपनाएं

बेंगलुरु/हैदराबाद/एजेंसी
पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। पीएम ने हैदराबाद में कहा- भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो है, वहां लोग मेट्रो का इस्तेमाल करें। आज हमें मीटिंग के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। पीएम ने हैदराबाद में रविवार को बीजेपी की रैली के दौरान ये बातें कही। इससे पहले आज बेंगलुरु में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा है। आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का बड़े संयम के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हमें इंपोर्टेड पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल केवल आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए। कोरोना काल में देश ने वर्क फ्रॉम होम की जो व्यवस्था विकसित की। आज समय की मांग ऐसी है कि अगर हम इन व्यवस्थाओं को फिर से शुरू करें तो यह देश के हित में होगा। पीएम ने कहा कि 75 साल बाद असम में भाजपा सरकार ने हैट्रिक हासिल कर ली है। पुडुचेरी में भी भाजपा-एनडीए सरकार फिर से सत्ता में लौट आई है। इस जीत के बाद मैं तेलंगाना के लोगों की भावनाओं को भी देख रहा हूं। कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है। कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कर्नाटक में पिछले तीन साल से यही स्थिति देखने को मिल रही है। कांग्रेस और डीएमके के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने पहले ही मौके पर डीएमके की पीठ में छुरा घोंप दिया।

पीएम मोदी ने कहा- देशहित में एकजुट होकर जिम्मेदारी निभानी होगी

पीएम हैदराबाद से शाम गुजरात जाएंगे। रविवार रात को जामनगर में रुकेंगे। 11 मई को पीएम सुबह करीब 10.15 बजे सोमनाथ मंदिर में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में शामिल होंगे। बाद में वे वडोदरा जाएंगे, जहां 'सरदारधाम हॉस्टल' का उद्घाटन करेंगे। यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के असर का जिक्र करते हुए कहा कि जब सप्लाई चेन लगातार संकट में रहती है, तब कितने भी उपाय कर लें, मुश्किलें बढ़ती ही जाती हैं। इसलिए अब हमें देश और भारत माता को सर्वोपरि रखते हुए एकजुट होकर मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि देशभक्ति सिर्फ देश के लिए मरना नहीं है। देश के लिए जीना और अपने कर्तव्यों को निभाना भी देशभक्ति है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि देशहित में जरूरत पड़ने पर फिर से वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

बंगाल में जनता ने गुलामी की राजनीति को हराया: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि हैदराबाद में नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में सिर्फ राजनीतिक दलों की जीत या हार नहीं हुई, बल्कि वहां की जनता ने ऐसी राजनीति को पराजित किया, जिसने लोगों को गुलामी की जंजीरों में जकड़ रखा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की राजनीति की। जब ळटउ बनी तो उसने कांग्रेस की ये बुराइयां सीखीं और वामपंथियों की खराब आदतें भी अपना लीं। इसके बाद ळटउ ने भारतीय राजनीति में सबसे घृणित और खतरनाक मॉडल विकसित किया।

मौजूदा संकट में विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष जोर देना होगा

पीएम नरेंद्र मोदी ने सिकंदराबाद की जनसभा में कहा- असम से ओडिशा और बंगाल से पुडुचेरी तक बीजेपी का विस्तार सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि देश की राजनीतिक सोच में आए बदलाव का संकेत है। जनता अब वंशवाद और परिवारवाद नहीं, विश्वासवाद चुन रही है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले असम में बीजेपी के कुछ ही विधायक थे, लेकिन आज वहां तीसरी बार बीजेपी-एनडीए सरकार बनी है। 10 साल पहले बंगाल में बीजपी के सिर्फ 3 विधायक थे, आज पार्टी 200 के पार पहुंच चुकी है। जहां कभी बीजेपी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं था, वहां आज बीजेपी की सरकारें बन रही हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट में विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष जोर देना होगा।

पीएम मोदी ने कहा, दुनिया में पेट्रोल-डीजल और फर्टिलाइजर की कीमतें बहुत बढ़ चुकी हैं, लेकिन हमारी सरकार पिछले दो महीनों से इसका बोझ खुद उठा रही है। प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील की।

तेलंगाना के लोग चाहते है कि यहां भी भाजपा सरकार बने: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद असम में भाजपा सरकार ने हैट्रिक हासिल कर ली है। पुडुचेरी में भी भाजपा-एनडीए सरकार फिर से सत्ता में लौट आई है। भाजपा की इस जीत के बाद मैं तेलंगाना के लोगों की भावनाओं को भी देख रहा हूं। तेलंगाना में हर कोई एक ही बात कह रहा है कि इस बार तेलंगाना में भी भाजपा सरकार बने, मोदी सरकार बने। कल मैं बंगाल में था। वहां पहली बार भाजपा के मुख्यमंत्री ने शपथ ली। बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार भारी बहुमत से बनी है। मैं देख रहा हूं कि इस ऐतिहासिक जीत का उत्साह तेलंगाना में भी साफ दिखाई दे रहा है। हैदराबाद में नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे रेवंत जी ने कहा था कि आप राजनीतिक बात नहीं करेंगे, इसलिए मैं भी राजनीतिक बात नहीं करूंगा। मैं रेवंता जी से कहना चाहता हूं कि पिछले 10 साल में केंद्र सरकार ने गुजरात को जितना दिया, उतना ही मैं तेलंगाना को देने के लिए तैयार हूं। लेकिन ऐसा करते ही आपको जो मिल रहा है, वह आधा हो जाएगा और आप जहां पहुंचना चाहते हैं, वहां नहीं पहुंच पाएंगे।

'कर्नाटक में कोई कुर्सी नहीं हिल रही': पीएम के बयान पर डीके शिवकुमार का पलटवार

बंगलूरू/एजेंसी
कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर सत्ता संघर्ष की चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस सरकार पर आंतरिक खींचतान और नेतृत्व संकट का आरोप लगाए जाने के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने साफ शब्दों में इन दावों को खारिज कर दिया।

रायचूर जिले के लिंगसुगुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक सरकार पूरी तरह स्थिर है और किसी भी पद को लेकर कोई अस्थिरता नहीं है। उन्होंने कहा "कर्नाटक में कोई कुर्सी नहीं हिल रही है। सभी कुर्सियां स्थिर हैं। मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री किस संदर्भ में यह बात कह रहे हैं।"

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना
दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगलूरू में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में सरकार जनता की समस्याओं को सुलझाने के बजाय अंदरूनी सत्ता संघर्ष में उलझी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार का अधिकतर समय आपसी विवादों और नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता में बीता है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उसे परजीवी पार्टी तक करार दिया।

प्रवक्ता परीक्षा दूसरे दिन 54.88 अभ्यर्थियों ने छोडी

लखनऊ में पायलट प्रोजेक्ट के तहत परीक्षा कक्ष में ओएमआर की हुई स्कैनिंग

प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा प्रदेशभर में सकुशल सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा आयोजित विज्ञापन संख्या - 02/2022 प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा आज दूसरे दिन प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर सकुशल सम्पन्न हुई।

परीक्षा में कुल 1,03,168 (45.12 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जिनमें महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 41.92 प्रतिशत तथा पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 48.08 प्रतिशत रही। इस प्रकार 09 एवं 10 मई, 2026 को आयोजित लिखित परीक्षा में कुल 1,92,934 (41.53 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे। प्रवक्ता परीक्षा दूसरे दिन 54.88 अभ्यर्थियों ने छोड दी है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। प्रथम पाली में नागरिक शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, संस्कृत एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षा तथा द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान, भूगोल, हिन्दी एवं कला विषयों की परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा

द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित की गयी।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा का संचालन आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर पूर्ण पारदर्शिता, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न कराया गया। परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गयी। आयोग के अध्यक्ष, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उप सचिव की उपस्थिति में परीक्षा केन्द्रों पर लगे एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर निरंतर दृष्टि रखी गयी। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा तकनीकी नवाचार एवं पारदर्शिता को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत लखनऊ जनपद के चयनित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा समाप्ति के तत्काल बाद परीक्षार्थियों के ओएमआर उत्तर पत्रकों की स्कैनिंग परीक्षा कक्ष में ही करायी गयी।

स्कैनिंग प्रक्रिया अभ्यर्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई तथा स्कैन डाटा को तत्काल सुरक्षित करने की कार्यवाही भी सुनिश्चित की गयी। सम्पूर्ण प्रक्रिया की निगरानी भी आयोग के एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से की गयी।

आयोग अध्यक्ष ने बताया कि 09 मई, 2026 की लिखित परीक्षा में कुल 89,766 (38.04 प्रतिशत) परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जिनमें महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 34.89 प्रतिशत एवं पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 42.26 प्रतिशत रही। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने परीक्षा के सफल संचालन हेतु सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए सभी अभ्यर्थियों और केन्द्र व्यवस्थापकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पहुंचे चकथाभा पीड़ित परिजनों से मिलकर उनका हाल जाना

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। विगत दिनों जनपद कौशाम्बी के मंझनपुर थाना अन्तर्गत ग्राम चकथांभा में मिट्टी का टीला ढहने से उत्तरा देवी,गीता देवी, एवं अंकिता देवी की दुखद मृत्यु एवं कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे इसी क्रम आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निदेर्शानुसार एक प्रतिनिधि मण्डल कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में घटना स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय से पीड़ित परिजनों से फोन के माध्यम से बात कराई अजय राय ने कहा कि दुख के इस घड़ी में हम आपके साथ हैं यह घटना बहुत ही दुखद है.! इसके बाद गौरव पाण्डेय SDM मंझनपुर से बात कर उचित मुआवजे एवं आवास की मांग की जिसपर उन्होंने पूर्ण आश्वास्त करते हुए कहा कि हम पीड़ितों के लिए तत्काल समुचित व्यवस्था कराएंगे.! तत्पश्चात जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा निश्चित ही यह घटना अत्यन्त दुखद है मै और पूरी कांग्रेस कमेटी मृतक परिजनों एवं घायलों के साथ खड़े है।

प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू,राम सूरत रैदास,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल, हेमन्त रावत,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,आलोक त्रिपाठी,अनिल सेन, इंद्रपाल रैदास,बिफई लाल,रोहित सिंह,आदि मौजूद रहे।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्न के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

ईट भट्ठे के मजदूर किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा मामला

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। थाना क्षेत्र के पौर काशीरामपुर गांव स्थित एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले किशोर ने बगीचे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से भट्ठा परिसर और परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक चित्रकूट जनपद के हत्ता गांव निवासी रजनीश (16) पुत्र नोखेलाल पौर काशीरामपुर गांव में संचालित केबीएफ भट्ठे पर मजदूरी करता था।

रविवार सुबह उसका शव भट्ठे के समीप स्थित एक बगीचे में फांसी के फंदे से लटकता मिला।घटना की खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई परिजनों के अनुसार रजनीश तीन बहनों में इकलौता भाई था। उसकी बड़ी बहन उर्मिला (22) की शादी हो चुकी है, जबकि नेहा (18) और निर्मला (13) अभी अविवाहित हैं। बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। भट्ठे में साथ काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि रजनीश का किसी युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि करीब एक सप्ताह पहले युवती के परिजनों ने उसे धमकाया था, जिसके बाद से वह काफी डरा और परेशान रहने लगा था। आशंका जताई जा रही है कि मानसिक तनाव में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

यातायात विशेष अभियान में कई वाहनों का चालान, डंपर सीज

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए यातायात मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान (ड्रंक एण्ड ड्राइव) के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों की सघन चेकिंग की गयी।

काटोघन टोल प्लाजा पर क्षेत्राधिकारी खागा दुर्गेश दीप की उपस्थिति में टीएसआई अवधेश कुमार सिंह एवं खागा सीसी टीम प्रभारी कृष्ण कुमार द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। जिंदपुर टोल प्लाजा पर यातायात प्रभारी निरीक्षक केशरी प्रसाद यादव व थाना ललौली की सीसी टीम प्रभारी एरिस पटेल सहित अन्य पुलिस बल द्वारा चेकिंग की गई एवं बड़ौरी टोल प्लाजा पर टीएसआई बृजेश तिवारी व थाना कल्याणपुर प्रभारी सुमित देव पांडेय सहित अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा चेकिंग की गई।

इस दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने वाले कई वाहन चालकों के विरुद्ध 30 ई-चालान कर 3,00,000 रुपये का जुमार्ना किया गया तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 18 ई- चालान कर 1,50,000 रुपये का जुमार्ना किया गया। एक डंपर वाहन को भी सीज किया गया।

सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक पंकज सिंह ने स्व. जोशीको श्रद्धांजलि किया अर्पित

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। भाजपा की वरिष्ठ नेता और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी आज प्रयागराज पहुंची। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो (डा) रीता बहुगुणा जोशी के पति स्व पी सी जोशी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। भाजपा की वरिष्ठ नेता और सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने शोक संत्प्त परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि दुःख की इस घडी मे हम सभी लोग आपके साथ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का शोक संदेश लेकर प्रो रीता बहुगुणा जोशी के आवास पर पहुंचे नोएडा विधायक पंकज सिंह ने स्व पी सी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित किया

और वहीं प्रो जोशी के पुत्र मयंक जोशी को ढांढस बंधाया। विधायक पंकज सिंह के साथ महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, भाजपा नेता रवि केसरवानी मौजूद थे। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के भतीजे कुंवर दिवाकर प्रताप सिंह, पूर्व राज्यपाल लाल जी टंडन के पुत्र अमित टंडन व भाजपा नेता चेतन बिष्ट, पूर्व सांसद अमेठी के पुत्र आनंद विक्रम सिंह व पुत्रवधू शांभवी सिंह ने आवास पर पहुंचकर स्वर्गीय जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। दूरभाष पर कर्नाटक में वर्तमान में विपक्ष के नेता नरसिम्हा नायक व प्रसिद्ध कवि, वक्ता और सामाजिक -राजनीतिक कार्यकर्ता कुमार विश्वास ने प्रो रीता बहुगुणा जोशी को ढांढस बंधाते हुए अपनी शोक संवेदना व्यक्त किया।

सपा ने विधानसभा 2027 चुनाव के लिए बूथ की मजबूती पर दिया जोर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी की बैठक महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता व महानगर महासचिव रवीन्द्र यादव रवि की देखरेख में चौक स्थित पार्टी कार्यालय पर हुई।आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में चर्चा के साथ प्रत्येक बूथ पर रणनीति बनाकर कार्यकताओं के साथ बूथवार बैठक करने और क्षेत्रीय समस्याओं के हर सम्भव निराकरण कराने के साथ पुराने कार्यकताओं व युवा कार्यकताओं को संगठित करने पर जोर दिया गया।

इस दौरान इफ्तेखार ने कहा हमें हताश और निराश होने की आवश्यकता नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

पीडीए इस बार समाजवादी पार्टी के साथ है और अन्य समाज के लोग भी इस सरकार से निराश हैं। महासचिव रवीन्द्र यादव रवि ने कहा हमारा बूथ अगर मजबूत होगा तो हम निश्चित रूप से 2027 के विधान सभा चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब होंगे।

बैठक में कई अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर रवीन्द्र यादव, संदीप यादव, बब्बन दुबे, शुऐब खान, मृत्युंजय पाण्डेय,आलोक द्बबे, संतोष यादव,मशहद अली खां, महेंद्र निषाद, शशिभूषण पाण्डेय, मोहम्मद अजहर, देवी लाल, पंकज साहू, हरीशचंद्र श्रीवास्तव, अब्दुल समद,संदीप कुमार मिश्रा, अविनाश कुमार शर्मा, दीप माला सिंह पटेल, आरती पाल, सुधीर कुमार, सिब्तैन बब्लू, वरुण कुमार सोनकर, मोहम्मद अरशद, वकार अहमद खां, मोहम्मद युसूफ अंसारी, अंकित कुमार पटेल, वरुन यादव, दिलीप प्रजापति, राजू प्रजापति, त्रिलोक राज सोनकर, ताहिर उमर,रिशभ कुमार सोनकर, डॉ आनंद सिंह,शिवा बागी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेखौफ युवकों ने नौजवान को गोली मारकर की हत्या, क्षेत्र में सनसनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। होलागढ़ थाना क्षेत्र में बाइक टकराने पर तीन लड़कों ने क्ळक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली छात्र के सीने के आर-पार हो गई। छात्र लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा, हत्या करने के बाद बाइक सवार आरोपी मौके से फरार हो गए। छात्र के दोस्तों ने उसके घर सूचना दी। इसके बाद उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, पुलिस ने छात्र के 2 दोस्तों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। घटना होलागढ़ थाना की है। झौनी का पुरवा, राजापुर चौबारा गांव निवासी हिमांशु सरोज क्ळक कर रहा था। उसके पिता संजय कुमार पुणे में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह दो भाइयों में बड़ा था। हिमांशु की मां रीता ने बताया कि मेरा बेटा हिमांशु अपने ननिहाल पूरब नारा गांव में आता-जाता था। रविवार सुबह 8:00 के करीब हिमांशु घर से बाइक लेकर निकला था। उसने कहा था कि मम्मी मैं ननिहाल जा रहा हूं। उसने पड़ोस में रहने वाले संदीप और अवनीश को भी साथ में ले लिया। करीब 11:00 बजे यह लोग ननिहाल पहुंचे। उसके बाद वहां से कुछ देर बाद निकल गया। दोपहर में करीब 12 बजे अवनीश का मेरे पास फोन आया, कि हिमांशु को गोली मार दी गई है। उसने बताया कि टोड़ी का पुरवा गांव में हम लोगों की बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई।

दूसरी बाइक में तीन लोग थे। बाइक टकराने के बाद वह हिमांशु से झगड़ा करने लगे। विवाद बढ़ा तो तीनों में से एक आरोपी ने तमंचे से हिमांशु के सीने में गोली मार दी, गोली सीने के आरपार हो गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल हिमांशु को आनन-फानन में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस हिमांशु के दोनों दोस्तों से पूछताछ कर रही है।

आत्महत्या के लिए उकसाने व दहेज उत्पीड़न के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । थाना कोखराज पर वादी राममिलन पटेल पुत्र स्व0 रामशरन निवासी ग्राम बनपुकरा थाना सैनी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मैने अपनी लड़की की शादी 03 वर्ष पहले पवन पटेल पुत्र स्व0 रामप्रसाद निवासी मीरापुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी के साथ की था । मेरा दमाद पवन पटेल दारू पीकर मेरी लड़की को मारता पीटता था व दहेज मांगता था जिससे क्षुब्ध होकर मेरी पुत्री द्वारा शनिवार को कमरे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोखराज पर मु0अ0सं0 256/2026 धारा 80(2)/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त पवन पटेल पुत्र स्व0 रामप्रसाद निवासी मीरापुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को मीरापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया।

चोरी की मोटर साईकिल के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शुक्रवार को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी रम्मे द्विवेदी पुत्र स्व0 राजनारायण द्विवेदी निवासी ग्राम भगवतपुर थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि दिनांक 7 मई की रात्रि करीब 9 बजे मैं निमंत्रण में गोराजू थाना पश्चिम शरीरा गया था जहां पर किसी अज्ञात चोर द्वारा मेरी मोटर साईकिल हीरो एचएफ डीलक्स चोरी कर ली गयी है ।

रविवार को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा प्रकाश में आये 2 वांछित अभियुक्तों कुबेरनाथ सिंह पुत्र स्व0 शिव सहाय सिंह निवासी ग्राम जगतपुर कटरी थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी . अजय सिंह पुत्र स्व0 बिहारीलाल सिंह निवासी ग्राम भगवतपुर थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया एवं अभियुक्तों की निशादेही पर चोरी की मोटर साईकिल को बरामद किया।

महिलाओं को पंपलेट बाटकर किया गया जगरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

कर्मचारी होते है विद्यालय की आधारशिला : नित्यानंद सिंह

पतंजलि ऋषिकुल में सहायक कर्मचारियों का हुआ सम्मान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पतंजलि ऋषिकुल तेलियरगंज में 'अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस' आज मनाया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'अदृश्य नायकों, सहायक कर्मचारियों एवं मेंटेनेंस टीम के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए कई प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के मन में 'श्रम की गरिमा' के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें समाज के हर वर्ग का सम्मान करना सिखाना था।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नित्यानंद सिंह ने कर्मचारियों को विद्यालय की आधारशिला बताते हुए कहा कि "इनकी निस्वार्थ सेवा ही वह ऊर्जा है, जिससे यह संस्थान निरंतर प्रगति कर रहा है। यह दिन हमें उन सभी के प्रति दयालु एवं विनम्र होना सिखाता है, जो बिना किसी शर्त के हमारे जीवन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में हमारी सहायता करते हैं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता और संवेदनशीलता देखते ही बनती थी। नन्हे छात्रों ने रंग-बिरंगे हस्तनिर्मित गुलदस्ते और 'थैंक यू कार्ड' तैयार किए, जो उनकी मासूमियत और कृतज्ञता के प्रतीक बने।विद्यार्थियों ने एक विशेष सम्मान सभा आयोजित कर सहयोगी स्टाफ

को अपने हाथों से बने उपहार एवं ताजे फूल भेंट किए।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में विद्यालय के सहायक कर्मचारियों को मंच पर आमंत्रित कर उन्हें सम्मानपूर्वक ग्रीटिंग काड्र्स, हस्तनिर्मित उपहार एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। बच्चों के इस निस्वार्थ प्रेम और मंच पर मिले, इस सम्मान को देखकर सहायक कर्मचारियों के चेहरे मुस्कान से खिल उठे।

विद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णा गुप्ता ने श्रमिकों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि उसे करने वाली निष्ठा उसे महान बनाती है।

हमारे सहायक कर्मचारी विद्यालय रूपी उपवन के वे माली हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर इसे सींचते हैं। उनका सम्मान करना ही हमारी सच्ची शिक्षा है।"

विद्यालय की निदेशक श्रीमती रेखा बैद गुप्ता एवं सचिव यशोवर्धन ने सहायक कर्मचारियों को विद्यालय परिवार की 'रीढ़' बताया। उन्होंने उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए भविष्य में भी उन्हें हर संभव सहयोग एवं उचित पहचान दिलाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।विद्यालय की इस पहल ने ना केवल श्रमिकों को गौरवान्वित किया, बल्कि विद्यार्थियों को सहानुभूति, दया एवं शिष्टाचार का एक जीवंत पाठ भी सिखाया। कार्यक्रम का समापन इस सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि सभी विद्यार्थी सदैव अपने सहायकों के प्रति कृतज्ञ रहेंगे और उनके परिश्रम का सम्मान करेंगे।

समस्याओं का समाधान ना होने पर पेंशनर्स आक्रोशित

सीएम से समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की किया मांग

बैठक में 8वे वेतन आयोग में भेजे जा रहे मेमोरेंडम पर भी विचार हुआ जिसमें मेमोरेडम में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, फिटमेंट फैक्टर 3.833 लागू करने, पेंशन में हर 5 वर्ष में 5% बढ़ाने अर्थात 65 वर्ष की आयु पर 5%,70वर्ष पर 10% और 75 वर्ष की आयु पर 15 % बढ़ाने या प्रत्येक वर्ष 1%पेंशन बढ़ाने की ,सेवनिवृतिक लाभ - अर्जित अवकाश के नकदीकरण की सीमा बढां कर 600 दिन करने, राशिकरण किअवधि 15 वर्ष से घटा कर 10 वर्ष 8 माह किये जाने,वित्तीय एक्ट 2025 को संशोधित करते हुए या उसका बिना प्रतिकूल प्रभाव डालते हुए पुराने और नये पेंशनर्स को समान रूप से लाभ दिए जाने के लिए संस्तुति किये जाने आदि की मांग की गई । सदस्यों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से जनवरी 2026 से बढ़े महंगाई भत्ता / राहत का शासनादेश जारी करने की शीघ्र मांग किया।

बैठक में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि पेंशनर्स दिवस 17 दिसंबर 2025 के अवसर पर पेंशनर्स द्वारा उठाई गई समस्याओ पर लगभग पर 4 माह व्यतीत हो जाने पर किसी भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस सम्बंध में डीएम प्रयागराज को पत्र से जानकारी दी जाएगी।

बैठक में माह अप्रैल और मई में जन्मे सदस्यो को सम्मानित किया गया जिनमे से अरुण श्रीवास्तव, अनिल कुमार, श्रीमतीं अरोड़ा, श्रीमतीं अमिता श्रीवास्तव ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में मिठाई बांटी गई। बैठक में डॉ पी के सिन्हा, डॉ वी के श्रीवस्तव, सर्वेश कुमार मिश्रा, भगवती प्रसाद, आर डी कुशवाहा, मन मोहन सिह, फरहाना सिद्दीकी, गीता सिंह, सुशील श्रीवस्तव, राजेश यादव, योगेन्द्र पांडे, परशुराम मौर्या, अरविंद जयसवाल, उमा कौशिक, साधु शरण उपाध्याय, ईश्वर लाल,संतोष श्रीवास्तव,वेद प्रकाश आदि उपस्थित थे।

पूर्व कमिश्नर आर एस वर्मा सपत्नीक किए गये सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक पूर्व मंडालयुक्त एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष आर एस वर्मा की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में सम्पन्न हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर एस वर्मा को राष्ट्रीय स्तर पर लोक प्रशासन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में "भारत प्रतिभा सम्मान परिषद की ओर से भारत प्रतिभा सम्मान 2026" से सम्मानित किये जाने और वर्ल्ड कल्चरल एन्ड एनवीयरमेंट प्रोटेक्शन कमीशन की ओर से भारत गौरव रत्न पुरस्कार दिए जाने पर सदस्यों ने स्वागत एव उन्हें सम्मानित किया।सदस्यों ने कहा कि यह पूरे एसोसिएशन के लिए गर्व की बात है। इस दौरान पूर्व आईएएस श्री वर्मा के साथ उनकी पत्नी रेखा वर्मा सम्मानित हुई।

बैठक में 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर धुव शुक्ला को शाल, मोमेंटो, गीता, प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वेश मिश्रा, अरुण कुमार ,अरविंद जायसवाल और श्रीमतीं उमा कौशिक को भी पुरस्कृत किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद से मिलकर दी बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रविवार को भारतीय जनता पार्टी गंगापार की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कई पदाधिकारियों के साथ लखनऊ पहुंचकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी तथा तीन राज्यों में भाजपा की पूर्ण बहुमत में सरकार बनने और कृष्णा पासवान सहित अन्य लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बनने की बधाई दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है देश की जनता अब जान गई है कि मादी ही देश का विकास और भला कर सकते हैं बाकी पार्टियां केवल अपना विकास करने में लगी हुई हैं 2027 में उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप जिला महामंत्री मनोज निषाद अनिरुद्ध सिंह संतोष शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी,श्याम सुंदर दुबे आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर एनसीसी कैडेट्स ने फहराया तिरंगा

फूलपुर के विजयलक्ष्मी पंडित इंटर कॉलेज में पेंटिंग प्रतियोगिता में दिखा देशभक्ति का जज्बा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। विजयलक्ष्मी पंडित इंटर कॉलेज, फूलपुर में ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाई गई। इस अवसर पर इलाहाबाद 15-यूपी बटालियन से संबद्ध एनसीसी कैडेट्स ने तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सभी कैडेट्स एवं उपस्थित शिक्षकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया।

इस अवसर पर कैडेट्स के बीच एक आकर्षक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े विभिन्न प्रेरणादायक और रोचक पहलुओं को अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत किया। कैडेट्स की रचनात्मकता और देशभक्ति से ओतप्रोत चित्रों ने सभी का मन मोह लिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य निसार अहमद ने उत्कृष्ट पेंटिंग बनाने वाले कैडेट्स को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन एएनओ लेफ्टिनेंट सरफराज अहमद सिद्दीकी ने किया। मौके पर नजमुल हसन, अभयराज, मोहम्मद अमानुल्लाह, अनिल गोस्वामी, मोहम्मद मसूद, मोहम्मद एरम, अविनाश यादव, फिरोज रिजवी, शाहिद अख्तर रहे।

लापता युवक संजय पटेल फूलपुर लौटे, परिवार में खुशी की लहर

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। दो दिन से लापता युवक संजय पटेल शनिवार को फूलपुर के लोचनगंज में सुरक्षित पाए गए। सोशल मीडिया में वायरल खबर ने स्थानीय लोगों को उनकी पहचान दिलाई, जिसके बाद परिजन राहत की सांस लेने में कामयाब रहे।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर माफी गांव के रहने वाले संजय पटेल (40) पिछले बीस सालों से मुंबई में कंपनी की गाड़ी चला रहे हैं। वे डेढ़ से दो साल में एक बार ही घर आते हैं। उनके घर पत्नी मीनाक्षी और दो बच्चे हैं।

मीनाक्षी ने बताया कि 4 तारीख को उन्होंने संजय से फोन पर बात की थी और संजय ने कहा था कि सोमवार को सुबह वह मुंबई से काशी एक्सप्रेस से घर प्रयागराज आ रहे हैं। इसके बाद मंगलवार सुबह सात बजे चचेरे भाई दीपक से बातचीत में संजय ने बताया कि वह नैनी पहुँच गए हैं। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया।

परिजन उनकी खोज में जुटे रहे, लेकिन कोई पता नहीं चला। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल खबर ने स्थानीय लोगों का ध्यान खींचा। वे लोचनगंज में संजय को बदहवास टहलते हुए देख कर तुरंत परिजनों को सूचना देने पहुंचे।

संजय ने घर लौटकर बताया कि नैनी पहुँचने के बाद वह अचानक बेहोश हो गए थे और उसके बाद उन्हें कुछ याद नहीं। उनका सुरक्षित लौटना परिजनों के लिए बड़ी राहत लेकर आया।

जिलाधिकारी की भृकुटि टेढ़ी, सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से कराया गया मुक्त

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सरकारी जमीनों पर कब्जे को लेकर की जाने वाली शिकायतों पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कड़ा एक्शन लिया। तहसील और थाना दिवसों पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के सम्बंध में लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिलाधिकारी ने इस पर कड़ी कार्रवाई की। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजकर कार्यवाही का निर्देश दिया। तहसील फूलपुर क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे के पांच, तहसील सोरॉव क्षेत्र में 10, तहसील कोरॉव क्षेत्र के अंतर्गत पांच, तहसील करछना के अंतर्गत नौ, तहसील मेजा क्षेत्र में छह, तहसील बारा क्षेत्र में पांच, एवं तहसील हंडिया क्षेत्र में चार मामले का निस्तारण किया गया। भू - राजस्व अधिकारी ने बताया कि इनमें से ज्यादातर मामले

सरकारी भूमियों पर अवैध कब्जे, चक मार्ग की पैमाइश, नाले-नालियों पर अवैध कब्जा व अन्य विषयों से संबंधित रहे। उनमे राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शिकायतों का निस्तारण किया गया।

झांसी : स्कूटी पर लादकर ले जाई जा रही 75 लाख से अधिक की नकदी बरामद

झांसी। पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नवाबाद पुलिस एवं आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 75 लाख रुपये की नकदी, मोबाइल फोन, चेकबुक और एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की गई।

नवाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक रवि श्रीवास्तव के अनुसार 09 मई 2026 की रात्रि लगभग 10:30 बजे थाना नवाबाद पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध व्यक्ति भारी मात्रा में नकदी लेकर क्षेत्र में मौजूद है।

सूचना पर थाना नवाबाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आकाश चतुवेर्दी पुत्र महेंद्र चतुवेर्दी निवासी ग्राम चिपलोठा थाना बरुआसागर, हाल निवासी नगरिया कॉलोनी कम्बल मील के पास थाना नवाबाद को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान उसकी स्कूटी होंडा एक्टिवा नंबर यूपी 93 सीके 6747 से दो बैग बरामद हुए। एक काले रंग के बैग में विभिन्न मूल्य के नोटों सहित 15 लाख 47 हजार 60 रुपये मिले, जबकि दूसरे हरे रंग के थैले से 500 रुपये के नोटों के 24 बंडल बरामद हुए जिनकी कुल कीमत 60 लाख रुपये बताई गई। दोनों बैगों से कुल 75 लाख 47 हजार 60 रुपये नकद बरामद किए गए।

इसके अलावा पुलिस ने आरोपित के कब्जे से तीन महंगे मोबाइल फोन भी बरामद किए, जिनमें एक सैमसंग र-24 अल्ट्रा, एक वन प्लस 12-फतथा एक वन प्लस नोर्ड उए-2 लाइट शामिल हैं। साथ ही विभिन्न बैंकों की सात चेकबुक और पांच एटीएम कार्ड भी मिले।

भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली महिला जन आक्रोश रैली

कांग्रेस सांसद के आवास का घेराव और प्रदर्शन किया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष (कांग्रेस-सपा) द्वारा सकारात्मक भूमिका न निभाए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार ने कड़ा प्रतिरोध दर्ज कराया। भाजपा यमुनापार महिला मोर्चा के नेतृत्व में रविवार को महिला जन आक्रोश रैली निकालकर इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद के आवास का घेराव करते हुए धरना-प्रदर्शन किया गया।

इस जन आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं आम नागरिक महिलाओं ने सहभागिता की। महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की तथा विपक्ष पर महिला विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष शोभा द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर महिलाओं ने कहा कि संसद में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए उठने वाली आवाज को दबाना देश की नारी शक्ति का अपमान है।

इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष शोभा द्विवेदी ने कहा कि देश की आधी आबादी के अधिकारों पर राजनीति करना विपक्ष की महिला विरोधी सोच को दशार्ता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर समर्थन न देना महिलाओं के सम्मान के साथ विश्वासघात है। भाजपा महिलाओं के अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करती रहेगी। 'उज्जवल रमण हाय-हाय, उज्जवल रमण होश में आओ, विरोधियों तुम होश में आओ,भारत माता की जयघोष किया गया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि रैली की शुरूआत अशोक नगर दुर्गा पूजा पार्क से हुई। वहां से महिला कार्यकताओं का हुजूम संगठित रूप से कांग्रेस सांसद आवास की ओर रवाना हुआ। सांसद आवास पर पहुंचकर महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर अपना आक्रोश प्रकट करते हुए घेराव किया और धरना-प्रदर्शन कर इसे देश की आधी आबादी के अधिकारों के साथ अन्याय बताया। इस अवसर पर वीना मिश्रा, आरती सिंह, भारती सिंह, पुष्पा श्रीवास्तव, उमा देवी, प्रीति गुप्ता, सोनिका अग्रवाल, सुनीता कुमारी, किरन देवी, अनीता देवी, शांति, पल्लवी, श्वेता, ममता, आरती कोल सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर विधायक दीपक पटेल ने खुशी जताई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रविवार फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर खुशी जताई विधायक दीपक पटेल ने कहा कि अब बंगाल में भी डबल इंजन की सरकार चलेगी जिससे बंगाल में केंद्र सरकार की योजनाओं के लागू होने में कोई रुकावट नहीं होगी आयुष्मान योजना जैसी तमाम केंद्रीय योजनाओं का लाभ पश्चिम बंगाल के हर व्यक्ति को मिलेगा कानून व्यवस्था बड़े बदलाव होंगे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी महिला सुरक्षा पर बड़े कदम उठाए जाएंगे अवैध घुसपैठिए और बांग्लादेशियों को बंगाल से बाहर निकाला जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने दो बार ममता बनर्जी को हराकर ये सिद्ध कर दिया कि बंगाल की जनता शुभेंदु अधिकारी को अपना नेता मानती है जिन्होंने पश्चिम बंगाल में टीएमसी को उखाड़ फेंका। इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्षद अरुण कुमार मिश्रा पिंटू नेता लक्ष्मीकांत मिश्रा काका, विनय तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी का बचा खुचा अस्तित्व भी समाप्त हो रहा है- पंकज सिंह

पूर्व सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी के पति स्वर्गीय पीसी जोशी को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूर्व सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी के पति स्वर्गीय पीसी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे व नोएडा विधायक पंकज सिंह ने सर्किट हाउस में मीडिया से औपचारिक बातचीत में कहा कि विपक्ष को ये सोचना चाहिए कि इस देश की जनता उन्हें हर राज्यों से क्यों रिजेक्ट करती जा रही है और भाजपा को अपनाती जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की विजय के बाद विपक्ष हमलावर होगा ही। लेकिन उन्हें अपने कामों अपनी विचारधारा पर सोचना चाहिए। बंगाल में भाजपा को चुनकर बंगाल के लोगों ने ये संदेश दिया है कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में वे भी अपना योगदान देना चाहते हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम गिराने को लेकर भी महिलाओं में विपक्ष के प्रति रोष है। महिलाएं उसका करारा जवाब देंगी और दिया भी है। बंगाल में उसका जवाब दिया व 2027 में उत्तर प्रदेश में भी विपक्ष को महिलाओं का जवाब मिलेगा। राष्ट्रहित को दरकिनार कर विपक्ष सिर्फ अपने हित के बारे में सोचता है। विपक्ष के लोगों का कुछ होना नहीं है। उसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी दल से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए उसके स्वाभिमान के लिए काम करती है।

2027 में भाजपा उत्तर प्रदेश में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। चुनाव आयोग पर विपक्ष द्वारा प्रश्न उठाए जाने पर पंकज सिंह ने कहा कि हार की बौखलाहट से विपक्ष के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव आयोग व एजेंसियों पर प्रश्न उठाते हैं लेकिन उनको समझना चाहिए कि एजेंसियां अपना काम करती हैं, जहां उन्हें शिकायत मिलती हैं वहां कार्रवाई भी करती हैं। उसमें भाजपा का कोई रोल नहीं है। समाजवादी पार्टी का बचा खुचा अस्तित्व भी समाप्त हो रहा है। आज एक देश में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में उत्तर प्रदेश की स्थिति बनी है। श्री पंकज सिंह सभी जाति वर्ग भाजपा के साथ है। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महापौर गणेश केसरवानी, विक्रम भदौरिया, रवि केसरवानी, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्र, डॉ श्याम द्विवेदी, बीडीओ सिंह, निर्दोष सिंह गोलू, नरसिंह, मो. शरीफ, अजय राय, पुष्पेंद्र पटेल आदि उपस्थित रहे।

सराय इनायत में लूटी गई मोटरसाइकिल के साथ दो गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त नगर व सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज कमिश्नरेट प्रयागराज के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष कीडगंज प्रीतम कुमार तिवारी के निर्देशन में उ०नि० प्रिन्स राठी मय हमराह पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर रविवार को थाना कीडगंज क्षेत्रान्तर्गत परेड ग्राउण्ड में बने पुल के नीचे से 2 व्यक्ति को समय करीब 14.40 बजे गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से एक लूट की मोटर साइकिल बरामद हुई। उक्त लूट हुई मोटर साइकिल के सम्बंध में थाना सराइनायत कमि० प्रयागराज पर मु०अ०सं० 338/2025 धारा 309(4) इठर पंजीकृत होना पाया गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 प्रिन्स राठी, सन्दीप यादव चौकी प्रभारी वैरहना, भूपेन्द्र यादव चौकी प्रभारी नई बस्ती थाना कीडगंज कमि) प्रयागराज

मातृ दिवस पर वृद्धाश्रम में ममता और सम्मान का स्वर गूंजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मातृ दिवस के पावन पर्व पर सावित्री सेवा फाउंडेशन द्वारा नैनी स्थित आधारशिला वृद्ध आश्रम में भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था अध्यक्ष शनि केसरी एवं पदाधिकारियों ने वयोवृद्ध माताओं के चरण प्रक्षालन, पुष्पवर्षा,आरती उतार कर उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में भावुकता, सम्मान और ममता से सराबोर रहा। कार्यक्रम में मौजूद माताओं को फल, बिस्किट, दालमोट, फ्रूटी सहित विभिन्न खाद्य सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर शनि केसरी ने कहा कि माँ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि त्याग, सेवा, धैर्य, वात्सल्य और ममता की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। कहा गया कि माँ बच्चे की प्रथम शिक्षिका होती है, जो जीवनभर अपने स्नेह और आशीर्वाद से परिवार को संवारती रहती है।मातृ शक्ति का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि माँ का आंचल संसार की सबसे बड़ी छाया और सुरक्षा है। माँ का सम्मान करना ही सच्ची संस्कृति और संस्कार की पहचान है। इस अवसर पर सचिन निषाद, रूपाली, राकेश कुमार पाल, शशांक भारती, विमल गिरी, सुधीर कुमार, हरमनजी सिंह सहित अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

मोबाइल नंबरों से खुल सकता है देह व्यापार का बड़ा नेटवर्क

ब्यूटी पार्लर संचालिका के फोन से मिले कई संदिग्ध संपर्क, पुलिस खंगाल रही कॉल डिटेल और चैट हिस्ट्री

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। के कल्याणी देवी इलाके में ब्यूटी पार्लर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के खुलासे के बाद पुलिस अब पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने में जुट गई है। जांच के दौरान ब्यूटी पार्लर संचालिका के मोबाइल फोन से कई संदिग्ध नंबर मिले हैं, जिनके आधार पर पुलिस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक संचालिका के मोबाइल में कई युवकों, महिलाओं और बाहरी जिलों के लोगों के संपर्क नंबर मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क सिर्फ शहर तक सीमित नहीं था, बल्कि आसपास के जिलों तक फैला हो सकता है। अब पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और सोशल मीडिया अकाउंट खंगाल रही है, ताकि ग्राहकों, दलालों और सहयोगियों की पहचान की जा सके।

जांच में यह भी सामने आया है कि ग्राहकों से संपर्क सोशल मीडिया और मोबाइल कॉल के जरिए किया जाता था। ब्यूटी पार्लर की आड़ में लंबे समय से यह गतिविधि संचालित हो रही थी, लेकिन इलाके के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लग सकी।

उधर, गिरफ्तार आरोपियों को अदालत से अंतरिम जमानत मिल गई है। इसके बाद पुलिस अब ब्यूटी पार्लर संचालिका को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में शहर में सक्रिय देह व्यापार के बड़े नेटवर्क से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल थे और किराये के मकान तथा ब्यूटी पार्लर की आड़ में यह धंधा कब से संचालित किया जा रहा था।

नारद जयंती: सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका विषयक संगोष्ठी

समाज का प्रबोधन ही सच्ची पत्रकारिता –सुभाष जी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को हिंदुस्तानी अकादमी में विश्व संवाद केंद्र प्रयागराज काशी प्रांत द्वारा ह्लसामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिकाह्ल विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष जी ने कहा कि समाज का प्रबोधन ही सच्ची पत्रकारिता है। उन्होंने कहा कि समसामयिक विषय के प्रति सामाजिक जागरूकता बढाना मीडिया का कार्य है। इसके लिए पत्रकारों को दीपक की तरह जलकर समाज में वैचारिक प्रकाश फैलाना पड़ता है। इसकी प्रेरणा महर्षि नारद जी से मिलती है। नारद जी आदि पत्रकार हैं। पंजाब केशरी, इंडियन एक्सप्रेस जैसे समाचार पत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि संपादक जगत नारायण लाला जैसे संपादकों को श्रेष्ठ जीवन मूल्य स्थापित करने के प्रयास में अपने प्राणों का बलिदान करना पड़ा, लेकिन अखबार का प्रकाशन बंद नहीं होने दिया। ऐसे लोग पत्रकारों के प्रेरणास्त्रोत हैं। गीता प्रेस के संस्थापक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली भारत रत्न जैसे सम्मान को विनम्रता के साथ अस्वीकार कर पूरे समाज के सामने नया आदर्श स्थापित किया। रामायण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद कोमल चित्त वाले थे। उनके अंदर करुणा और ममता थी। यह पत्रकारों का स्वभाव होना चाहिए। उन्होंने पूर्व संपादक नरेन्द्र मोहन की भी चर्चा करते हुए उनसे पत्रकारों को प्रेरणा लेने की बात कही। कुम्भ मेले के कवरेज के दौरान कुछ पत्रकारों की ओर से की गई नकारात्मक रिपोर्टिंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारों को अनावश्यक नकारात्मक छवि प्रस्तुत करने से बचना चाहिए। कहा कि पत्रकार सैनिकों की भांति कलम के सिपाही हैं। कलम के सिपाही का मूल कर्तव्य है सामाजिक चेतना, सत्य को सामने लाना, राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीयता, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विचारों को संबल प्रदान करने का कार्य करना है। यही नारद जयंती मनाने का उद्देश्य है। अध्यक्षता करते हुए अमर उजाला के संपादक योगेश नारायण दीक्षित ने ह्यआज की पत्रकारिता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सब लोग पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक कर व्यवसायीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। हमें चिंतन करना होगा कि पत्रकार सत्य को उजागर एवं समाज की दृष्टि को सामने लाने के लिए समाज प्रहरी के रूप में कार्य करता है। इसीलिए मीडिया को लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तम्भ माना गया है। सोशल मीडिया पर अच्छे नैरेटिव वायरल करने का उन्होंने सुझाव दिया। विषय प्रवर्तन करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ मुरारजी त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता का धर्म देवर्षि नारद से सीखना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एजेंडा आधारित पत्रकारिता समाज का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, सृष्टि के प्रारंभ में नारद जी से ही प्रारंभ होता है। लोक मंगल हेतु की गई पत्रकारिता ही समाज के लिए उपयोगी है। मंच पर प्रचार विभाग के पालक आशीष जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश जी, राकेश जी, सहभाग कार्यवाह, चारूमित्र जी, व्रतशील शर्मा, रितेश जी, विष्णु जी, कृष्ण मनोहर जी, आदित्य जी, संतोष कुमार तिवारी, विजेंद्र राय, रामनरेश त्रिपाठी पिंडीवासा, राजेश प्रताप समेत अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। गोष्ठी संचालन वसु पाठक, विभाग प्रचार प्रमुख ने किया जबकि अतिथि परिचय मुकेश जी सह विभाग प्रचार प्रमुख द्वारा कराया गया। धन्यवाद ज्ञापन कृष्ण मनोहर तिवारी, प्रचार प्रमुख, प्रयागराज दक्षिण भाग द्वारा किया गया। समापन राष्ट्रसेविका समिति की बहनों के नेतृत्व में वंदे मातरम के सामूहिक गान से हुआ।

संपादकीय

सम्राट की सरकार में परिवार की अमरबेल

बिहार में सरकार गठन के 22 वें दिन सम्राट चौधरी सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। इसमें 32 नये सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सात लोग पहली बार मंत्री बने। इनमें दो किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। उन्हें छह माह के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना होगा।

आमतौर पर चाल, चरित्र और चेहरा की दुहाई देने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई में बनी इस सरकार में सामाजिक और जातीय समीकरणों पर पूरा फोकस किया गया है। साथ ही लालू यादव, सोनिया गांधी, स्व करुणानिधि, स्व मुलायम सिंह यादव, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, दिग्विजय सिंह आदि पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाली भाजपा की इस सरकार में राजनीतिक परिवार की अमरबेल पूरी तरह लहलहा रही है। कैसे ? बताते हैं।

बिहार में पहली बार किसी सरकार में तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को मंत्री बनाया गया है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार तो हैं ही, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्धम (एमएसएमई) मंत्री जीतनराम मांझी के पुत्र लघु जल संसाधन मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन और पूर्व मुख्यमंत्री स्व डॉ जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नगर विकास और आवास तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नीतीश मिश्र शामिल हैं। इनमें से निशांत अभी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। संभवतः वह अपने पिता नीतीश कुमार द्वारा खाली की गयी विधान परिषद की सीट से सदस्य बन जाएंगे।अन्य नेता पुत्रों में स्वयं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूर्व मंत्री शकुनि चौधरी के और उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी पूर्व विधायक स्व जगदीश प्रसाद चौधरी के पुत्र हैं। राज्य के खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री डॉ अशोक चौधरी बिहार कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के पुत्र हैं तो राज्य के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं। निशांत के तरह दीपक प्रकाश भी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। इससे पहले नीतीश कुमार की सरकार में भी वह बिना किसी सदन के सदस्य रहे करीब पांच माह तक मंत्री बने थे। राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि गृहमंत्री अमित शाह उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी का भाजपा में विलय कराना चाहते हैं। वह नहीं चाहते कि कुशवाहा समाज से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा कोई दूसरा नेता उसी समाज का ताकतवर हो। इसी सौदे के तहत दीपक प्रकाश को दोबारा बिना किसी सदन की सदस्यता के मंत्री बनाया गया है। हालांकि उपेन्द्र कुछ और भी मोलभाव करने पर आमादा हैं। देखना दिलचस्प होगा कि दोनों में से कौन बाजी मारता है। इसी तरह राज्य की उद्योग और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व दिग्विजय सिंह की पुत्री हैं तो राज्य की पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रमा निषाद पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व कैप्टन जयनारायण निषाद की पतोहू और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं।

राज्य में मिथिलेश तिवारी, इंजीनियर शैलेन्द्र, रामचन्द्र प्रसाद, नंदकिशोर राम को मंत्री बनाकर भाजपा ने अपनी रणनीति साफ कर दी है कि पार्टी अब पुराने और जमे- जमाय नेताओं के सहारे नहीं रहना चाहती। लंबी पारी के लिए उसे नये चेहरों को आगे लाना होगा। इन्हें पहली बार मंत्री पद से नवाजा गया है। निशांत और दीपक प्रकाश को मंत्री बनाना भाजपा की सोची-समझी चाल है। श्वेता गुप्ता को जदयू कोटे से पहली बार मंत्री बनाया गया है। वह पहली बार की विधायक भी हैं। पेशे से डॉक्टर हैं और बनिया समुदाय से आती हैं। जानकार तो यह भी कहते हैं कि निशांत को मंत्री बनाने में भी अमित शाह का ही हाथ रहा है। शाह के कहने पर ही जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह निशांत की चौतरफा घेराबंदी में लगे थे।

अब इंडिया गठबंधन का क्या होगा ?

अशोक भाटिया

मई 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों और कांग्रेस की बदलती रणनीतियों (विशेषकर तमिलनाडु में डीएमके से दूरी) के बाद इंडिया गठबंधन गंभीर संकट में है और इसके भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। बंगाल, केरल और पंजाब में क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का तालमेल न होना गठबंधन की एकता को कमजोर कर रहा है। बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की काफी समय तक कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने की चचाएं चल रही थीं। कुछ सीटों पर दोनों दलों में एक राय नहीं बन पाई। ऊपर से तो दोनों ही दल चुप्पी साधे रहे, लेकिन अंदर ही अंदर खटपट होती रही। अचानक एक दिन ममता ने कह दिया- एकला चलो, यानी बंगाल में इंडिया गठबंधन को खारिज करते हुए अकेले ही चुनाव लड़ने का ऐलान। ममता को लग रहा था कि कांग्रेस बंगाल में लेफ्ट के साथ भी गलबहियां कर रही है, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। वाम दल के विरोध की लहर पर सवार होकर ही ममता सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। ऐसे में ये नजदीकी ममता को खटकी और उन्होंने फौरन किसी भी तरह के गठबंधन से दूरी बना ली। ममता की इंडिया गठबंधन से दूरी का मुख्य कारण बंगाल में अपनी राजनीतिक जमीन बचाना और कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार न करना था। ममता के लिए राज्य की सत्ता और क्षेत्रीय वर्चस्व, राष्ट्रीय गठबंधन की तुलना में हमेशा प्राथमिकता पर रहे हैं। अब न सत्ता रही, ना ही वर्चस्व। इसी वजह से ममता को अचानक से गठबंधन की याद आई। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में स्टालिन की हार के बाद अब इस बात पर बहस छिड़ी है कि इंडिया गठबंधन का क्या होगा। अभी तक संसद में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और डीएमके हमेशा से कांग्रेस के पीछे खड़ी रही। जबकि तृणमूल कांग्रेस का स्टैंड मुद्दों के आधार पर बदलता रहता था। वहीं अभी हुए विधानसभा चुनावों की बात करें तो कांग्रेस ने दो राज्यों में अपने ही इंडिया गठबंधन के साथियों के खिलाफ चुनाव लड़ा।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए? यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है। दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निदेर्शों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है। सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।

आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।

बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

बहुत कठिन है डगर पनघट की

महेन्द्र तिवारी

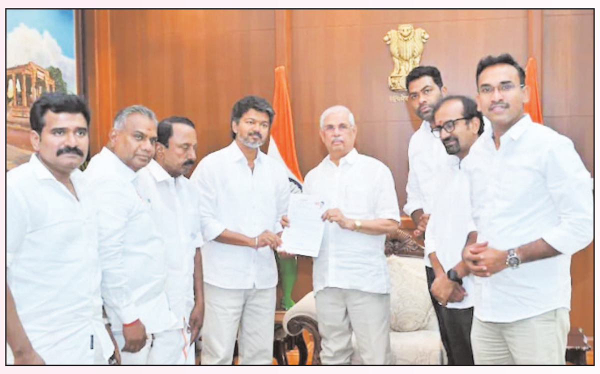

तमिलनाडु की राजनीतिक में वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों ने एक ऐसी पटकथा लिख दी है जिसकी कल्पना पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के दिग्गजों ने कदाचित ही की होगी। सिनेमा के पर्दे से निकलकर जननायक बनने की राह पर अग्रसर थलपति विजय और उनकी नवगठित राजनीतिक शक्ति तमिलगा वेत्री कड़गम ने राज्य के दशकों पुराने द्विध्रुवीय राजनीतिक ढांचे को झकझोर कर रख दिया है। यह चुनाव मात्र सत्ता के हस्तांतरण का माध्यम नहीं रहा बल्कि इसने तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक मानस में गहरे पैठ बना चुके द्रविड़ गौरव और परिवर्तन की आकांक्षा के बीच एक नए संघर्ष को जन्म दिया है। विजय की पार्टी ने अपनी पहली ही चुनावी परीक्षा में 108 सीटों पर विजय पताका फहराकर सबको विस्मित कर दिया किंतु लोकतंत्र के कठोर गणित ने उन्हें सत्ता की दहलीज पर लाकर एक अनिश्चितता के भंवर में खड़ा कर दिया है। 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा में पूर्ण बहुमत प्राप्त करने के लिए 118 का जादुई आंकड़ा अनिवार्य है और विजय की सेना इस लक्ष्य से मात्र 10 कदम दूर रह गई है। यह 10 सीटों की दूरी वर्तमान में तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा और जटिल प्रश्न बन गई है जिसने राज्य के भविष्य को अनिश्चितता के बादलों से घेर लिया है।

विजय के समक्ष उत्पन्न हुई चुनौतियों का विश्लेषण करें तो सबसे पहली बाधा स्वयं उनकी जीत के तकनीकी स्वरूप से उपजी है। विजय ने अपनी लोकप्रियता को सिद्ध करने हेतु दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा और दोनों ही स्थानों पर विजय प्राप्त की। यद्यपि यह उनके व्यक्तिगत प्रभाव का प्रमाण है परंतु संवैधानिक नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट से त्यागपत्र देना होगा। इस प्रक्रिया के पश्चात उनकी पार्टी की प्रभावी सदस्य संख्या 107 रह जाएगी जिसका सीधा अर्थ यह है कि अब उन्हें बहुमत सिद्ध करने के लिए 11 और सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। संख्याबल का यह सूक्ष्म अंतर किसी भी राजनीतिक दल के लिए सामान्य परिस्थितियों में सरल हो सकता था परंतु तमिलनाडु की वर्तमान घेराबंदी ने इसे अत्यंत दुष्कर बना दिया है। विजय के समर्थन में कांग्रेस के 8 विधायक और वामपंथी दलों के 2 विधायक खड़े दिखाई दे रहे हैं जिससे यह कुल आंकड़ा 117 तक पहुंचता हुआ प्रतीत होता है। फिर भी बहुमत के लिए आवश्यक 118 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए अंतिम एक सदस्य का समर्थन जुटाना उनके लिए हिमालय लांघने जैसी चुनौती बन गया है।

राजनीति में शत्रु का शत्रु मित्र होता है और यह उक्ति इस समय तमिलनाडु में चरितार्थ होती दिख रही है। दशकों तक एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम एक नए और प्रभावशाली विकल्प के उदय से सशंकित हैं। सत्ता के गलियारों में यह सुगबुगाहट तीव्र है कि ये दोनों ही स्थापित शक्तियां एक नवागंतुक को मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से रोकने के लिए गुप्त रणनीतियों पर कार्य कर रही हैं। वे जानते हैं कि यदि विजय एक बार सत्तासीन हो गए तो राज्य में उनके वर्चस्व का सूर्य सदा के लिए अस्त हो सकता है। यही कारण है कि छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों को अपने पाले में बनाए रखने के लिए विपक्षी खेमों द्वारा साम, दाम, दंड और भेद का खुला प्रयोग किया जा रहा है। अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम जैसे छोटे राजनीतिक समूहों ने विजय की पार्टी पर फर्जी दस्तावेजों और अनैतिक दबाव के आरोप लगाकर इस राजनीतिक युद्ध को कानूनी गलियारों तक खींच लिया है। इन आरोपों ने न केवल विजय की छवि को प्रभावित करने का प्रयास किया है बल्कि गठबंधन की प्रक्रिया में भी अवरोध उत्पन्न कर दिए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में राजभवन की भूमिका अत्यंत निर्णायक और संवैधानिक मयार्दाओं से बंधी हुई है। राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने सरकार गठन की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता बरतने से इनकार कर दिया है। राजभवन का स्पष्ट मत है कि केवल मौखिक दावों या संख्या बल के प्रदर्शन मात्र से सरकार गठन का निमंत्रण नहीं दिया जा सकता। राज्यपाल महोदय ने विजय के समक्ष यह शर्त रख दी है कि उन्हें समर्थन देने वाले प्रत्येक विधायक का व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना और उनके हस्ताक्षरित समर्थन पत्रों का भौतिक सत्यापन अनिवार्य होगा। संवैधानिक प्रावधानों की यह कठोरता विजय के लिए एक बड़ी बाधा सिद्ध हो रही है क्योंकि गठबंधन के घटक दलों के भीतर भी असंतोष के स्वर उभरने की आशंका बनी रहती है। विधायकों की बाड़ेबंदी और उन्हें विपक्षी प्रलोभनों से बचाकर रखना विजय के नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा है। यदि वे अपने कुनबे को सुरक्षित रखते हुए राज्यपाल को संतुष्ट करने में विफल रहते हैं तो राज्य में एक गहरा संवैधानिक संकट उत्पन्न हो सकता है।

भारत —मेडिकल टूरिज्म नहीं, स्वास्थ्य पुनर्जागरण का भारतीय मंदिर

स्वास्थ्य क्रांति के वैश्विक मानचित्र पर भारत अब निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया जहां महंगे इलाज और सीमित सुविधाओं से जूझ रही है, वहीं भारत किफायती, गुणवत्तापूर्ण और समग्र चिकित्सा का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राचीन आयुष परंपरा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम इसे विशिष्ट पहचान देता है। 2025 में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक 16.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व के उदय का स्पष्ट संकेत है। भारत अब सिर्फ इलाज का विकल्प नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक चिकित्सा गंतव्य बनता जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में किफायत और गुणवत्ता का संतुलन बनाकर भारत एक नई परिभाषा स्थापित कर रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में यहां हृदय बाईपास, कैंसर उपचार, हिप-नी रिप्लेसमेंट, अंग प्रत्यारोपण और आईवीएफ जैसी जटिल प्रक्रियाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम खर्च में उपलब्ध हैं। यही कारण है कि भारत अब सस्ता विकल्प नहीं, बल्कि सर्वोत्तम मूल्य वाला देश बन चुका है। जेसीआई और एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टर विदेशी मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा रहे हैं। 2025 में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटकों में से लगभग 5.07 लाख मरीज उपचार के लिए भारत आए, जो इसकी बढ़ती चिकित्सा विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह प्रवृत्ति हर वर्ष तेज गति से आगे बढ़ रही है। प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन रहा है। आयुष प्रणाली अब केवल वेलनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर रोगों के बाद तेजी से रिकवरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, क्रॉनिक बीमारियों के प्रबंधन और मानसिक तनाव में राहत देने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की घोषणा की गई है, जहां आधुनिक चिकित्सा और आयुष सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी। साथ ही तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे। यह समन्वय भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

नीतिगत दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार दिया है। आयुष वीजा और हील इन इंडिया पोर्टल ने विदेशी मरीजों के लिए उपचार प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है।

समय : जीवन का सबसे अनमोल धन

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने ठीक ही कहा है- समय-समय की वार्ता, समय-समय का फेर, समय लगा दे ठाठ-बाट, जाते न लागे देर। अर्थात समय बहुत शक्तिशाली होता है। वह कब किसी को ऊँचाई पर पहुँचा दे और कब सब कुछ बदल दे, यह कोई नहीं जानता। मनुष्य के जीवन में समय का बहुत बड़ा महत्व है, लेकिन दुख की बात यह है कि अधिकांश लोग इसकी सही कीमत नहीं समझते। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है और उसका सदुपयोग करना जानता है, वह जीवन के किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहता। हमें यह याद रखना चाहिए कि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है कि-गतः कालो नायाति। समय के साथ यदि हम कार्य में मेहनत करते हैं तो हमें सफलता की प्राप्ति होती है। हमारे यहां संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में यह कहा गया है कि-उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।अर्थात- कार्य केवल इच्छा करने से नहीं, बल्कि समय पर परिश्रम करने से सिद्ध होते हैं। याद रखिए कि ईश्वर ने संसार के प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से चौबीस घंटे दिए हैं। चाहे कोई अमीर हो या गरीब, विद्यार्थी हो या अधिकारी, समय सबके लिए बराबर है। अंतर केवल इतना होता है कि कोई व्यक्ति अपने समय को अच्छे कार्यों में लगाता है, जबकि कोई उसे आलस्य, बेकार की बातों और निरर्थक कार्यों में गंवा देता है। आजकल हर व्यक्ति यह कहते हुए दिखाई देता है कि उसके पास समय नहीं है, लेकिन वास्तव में समय की कमी नहीं होती, बल्कि समय के सही उपयोग की कमी होती है। समय लगातार चलता रहता है। वह कभी किसी का इंतजार नहीं करता। जो व्यक्ति समय के साथ चलना सीख लेता है, वही आगे बढ़ता है।

अक्सर मनुष्य समय को अपना शत्रु मान लेता है। उसे लगता है कि समय बहुत जल्दी निकल रहा है या उसके पास पर्याप्त समय नहीं है। इसी सोच के कारण वह तनाव और चिंता में रहने लगता है। लेकिन समय न कभी जल्दी करता है और न देर, वह अपनी गति से चलता रहता है। जब हम समय से लड़ते हैं, तो केवल थकते हैं, लेकिन जब हम समय को समझते हैं और उसके साथ चलना सीखते हैं, तब वही समय हमें बहुत कुछ सिखाता है। समय हमें धैर्य, अनुभव, समझ और परिपक्वता प्रदान करता है। जीवन का हर चरण अपने साथ कोई न कोई सीख लेकर आता है। बचपन, युवावस्था और वृद्धावस्था-हर अवस्था का अपना महत्व होता है। जो व्यक्ति हर पल को अच्छे ढंग से जीता है और हर अनुभव से सीखता है, वही जीवन का वास्तविक आनंद प्राप्त करता है। समय के साथ मित्रता करने का अर्थ है कि हम अपने वर्तमान को स्वीकार करें और हर कार्य को सही समय पर पूरा करें। यदि विद्यार्थी समय पर अध्ययन करे, किसान समय पर खेती करे और कर्मचारी समय पर अपना कार्य करे, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। हर क्षण का, हर पल का सदुपयोग जरूरी है। जैसा कि संस्कृत में कहा गया है कि-क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत।क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम्॥ इसका मतलब यह है कि क्षण-क्षण और कण-कण का सदुपयोग करके ही विद्या और धन प्राप्त होते हैं। यदि क्षण नष्ट कर देंगे तो विद्या कैसे मिलेगी और कण न बचाएँगे तो धन कैसे आएगा। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने समय का सम्मान किया, उन्होंने जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। वहीं जो लोग समय को व्यर्थ गंवाते रहे, उन्हें बाद में पछताना पड़ा। इसलिए हमें समय की कीमत समझनी चाहिए और उसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। समय सबसे मूल्यवान धन है, क्योंकि एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता।

यदि हम अपने समय का सदुपयोग अच्छे कार्यों, मेहनत और सकारात्मक सोच में करें, तो जीवन निश्चित रूप से सफल और सुखद बन सकता है।

मोबाइल की गोद में पलता अकेला बचपन

मनमोहन प्रकाश

बच्चे और माता-पिता का संबंध केवल जैविक नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मार्गदर्शन का जीवंत सूत्र है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को बच्चे का प्रथम गुरु माना गया है, जो उन्हें न केवल चलना-बोलना बल्कि जीवन-मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सिखाते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक स्वस्थ परिवार वही है जहाँ बच्चों को स्नेह, संवाद और अपनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय मिले। किंतु आधुनिक जीवनशैली, करियर की अंधी दौड़ और तकनीक पर बढ़ती निर्भरता ने इन संबंधों को बदल दिया है। आज अधिकांश माता-पिता के पास समय का अभाव है। इसकी भरपाई के लिए वे बच्चों को मोबाइल, टीवी या टैबलेट उपलब्ध करा देते हैं ताकि वे स्वयं को फ्री रख सकें। स्थिति यहाँ तक पहुँच गई है कि बच्चा रोए, जिद करे या खाना न खाए, समाधान के रूप में उसके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है।

यह केवल तकनीक का उपयोग नहीं, बल्कि पालन-पोषण की बदलती मानसिकता का संकेत है। आज का समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा पर अधिक ध्यान दे रहा है। परिणामस्वरूप, संयुक्त परिवारों का स्थान डिजिटल स्क्रीन और झूलाघरों ने ले लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। इससे उनकी एकाग्रता और स्मरण शक्ति घटती है, भाषा विकास धीमा होता है और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। बचपन, जो कभी खेल, प्रकृति और किस्सों का समय होता था, अब स्क्रीन तक सिमट गया है। बच्चे मैदानों और पारिवारिक सानिध्य से दूर होकर आभासी दुनिया में अकेले होते जा रहे हैं। शारीरिक स्तर पर भी कम उम्र में आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद के विकार बढ़ रहे हैं। इंटरनेट पर अनियंत्रित सामग्री और हिंसक खेलों की लत बच्चों को अवसाद की ओर धकेल रही है।

पालन-पोषण का अर्थ केवल अच्छी सुविधाएँ देना नहीं, बल्कि बच्चों के मन की दुनिया को समझना है। माता-पिता के साथ किया गया संवाद बच्चों में आत्मविश्वास और सुरक्षा का भाव पैदा करता है। आज दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। बच्चों को गैजेट्स के बजाय पुस्तकों, बागवानी, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए।

परिवार के साथ भोजन करना और घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ समय बिताना उनके व्यक्तित्व को गढ़ने में सहायक होगा।

यूजीसी को लेकर अपना दल कमेरावादी का लखनऊ में प्रदर्शन, पल्लवी पटेल रेल इंजन पर चढ़ी

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने शनिवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

पल्लवी पटेल हजारों कार्यकताओं के साथ दोपहर में चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां नारेबाजी करते हुए उन्होंने यूजीसी के नए नियमों को लागू करने की जोरदार मांग की। फिलहाल इन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। इस दौरान जैसे ही पल्लवी पटेल कार्यकताओं के साथ विधानसभा की ओर कूच करने की लगी, तभी भरी पुलिस बल ने बैरिकेडिंग लगाकर सभी को रोक लिया। पुलिस से धक्का मुक्की के बाद इससे गुस्साए

कार्यकर्ता रेलवे स्टेशन की तरफ पहुंच गए।

इस दौरान पल्लवी पटेल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर जा पहुंची और पहुंचकर कार्यकताओं के साथ हाथ में लिए यूजीसी लागू करने की मांग वाली पोस्टर लेकर रेल इंजन पर चढ़ गई और नारेबाजी करने लगी।

वहीं, कार्यकर्ता रेलवे ट्रैक पर उतर गए, जिन्हें देखकर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सभी को स्टेशन से निकालते हुए बसों से इको गार्डन भेज दिया।

पल्लवी पटेल ने कहा कि यूजीसी की मांग को लेकर पहले हमने बस रोकी थी, आज रेल रोकी है।

शिक्षा के साथ खेलों में भी नई पहचान बना रहा सीएसजेएमयू : डॉ. श्रवण कुमार यादव

कानपुर।
विश्वविद्यालय में छात्रों को शिक्षा के साथ आधुनिक खेल सुविधाएं और नियमित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। यह बातें छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव ने कही।

सीएसजेएमयू का शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देने वाले प्रमुख संस्थानों में तेजी से उभर रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, पचास मीटर स्विमिंग पूल, क्रिकेट ग्राउंड, फुटबॉल ग्राउंड, बास्केटबॉल कोर्ट, हैंडबॉल कोर्ट, बॉक्सिंग हॉल, मल्टीपर्पज हॉल, जिम्नेजियम और आर्चरी रेंज जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का लाभ कैंपस के छात्रों के साथ बाहरी खिलाड़ी भी उठा रहे हैं।

विश्वविद्यालय का खेल विभाग नियमित मॉर्निंग और इवनिंग ट्रेनिंग सिस्टम पर कार्य करता है, जहां प्रशिक्षकों की देखरेख में खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, फिटनेस और प्रतियोगी तैयारी कराई जाती है। विभाग का फोकस केवल प्रतियोगिताओं में भागीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर प्रदर्शन के लिए तैयार करना भी है।

खो-खो में विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025-26 की नॉर्थ जोन पुरुष चैंपियनशिप और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की।

फुटबॉल टीम ने सेंट्रल जोन टूर्नामेंट 2024-25 में पहला स्थान हासिल कर ऑल इंडिया चैंपियनशिप के लिए जगह बनाई। वहीं क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन अंडर-19 भारतीय टीम और विजय ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में हुआ है।

एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, ताइक्वांडो, शतरंज, जूडो, कराटे, बैडमिंटन और आर्चरी में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की है।

ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रभक्ति और नारी शक्ति का प्रतीक : प्रो. विनय कुमार पाठक

कानपुर।
ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति, राष्ट्रभक्ति और शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। जब बेटियां वर्दी पहनकर ऐसे अभियानों का नेतृत्व करती हैं तो पूरा समाज गौरवान्वित होता है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन करें। यह बातें शनिवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ कार्यक्रम में कही।

सीएसजेएमयू में आयोजित कार्यक्रम में 17 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और

अनुशासन व देशभक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन 17 यूपी गर्ल्स बीएन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नीरज नैथानी, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर मेजर इंदु मिश्रा के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण से हुई, जिसके बाद एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया।

कर्नल नीरज नैथानी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स का अनुशासन और जोश यह साबित करता है कि देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। वहीं कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सिंदूर की हर बिंदी के पीछे एक सैनिक का त्याग छिपा होता है और एनसीसी छात्रों में यही कर्तव्यबोध विकसित करता है। मेजर इंदु मिश्रा ने कहा कि बेटियां अनुशासन, साहस और समर्पण में किसी से कम नहीं हैं।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. अंकित त्रिवेदी और मयूरी सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

कानपुर में पहली बार लगा एडवांस वायरलेस हार्ट डिवाइस, 75 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी

कानपुर।
पारस हॉस्पिटल कानपुर के डॉक्टरों ने गंभीर हृदय रोग से जूझ रही पचहत्तर वर्षीय महिला मरीज में शहर का पहला एडवांस्ड माइक्रा एवी-टू लीडलेस पेसमेकर सफलतापूर्वक इम्प्लांट कर नई उपलब्धि हासिल की है। हृदोनों सबक्लेवियन नसों में सिकुड़न के कारण पारंपरिक पेसमेकर लगाना संभव नहीं था। ऐसे जटिल मामलों में लीडलेस पेसिंग तकनीक काफी कारगर साबित होती है। यह बातें शनिवार को

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. श्रीपद खैरनार ने कही।

डॉक्टरों के मुताबिक महिला मरीज सिक साइनस सिंड्रोम से पीड़ित थी। इस बीमारी में हृदय का प्राकृतिक पेसमेकर सामान्य तरीके से काम नहीं कर पाता है। महिला की धड़कन घटकर केवल पच्चीस बीट प्रति मिनट रह गई थी, जिससे चक्कर, बेहोशी और जानलेवा जटिलताओं का खतरा बढ़ गया था। मरीज बाएं पैर के फ्रैक्चर से भी उबर रही थी, जिसके कारण तत्काल कार्डियक इंटरवेंशन जरूरी हो गया।

मामले को और जटिल इसलिए माना गया क्योंकि मरीज को बाईलैटरल सबक्लेवियन वेन स्टेनोसिस की समस्या थी। इसमें कॉलर बोन के नीचे की नसें सिकुड़ जाती हैं, जिनसे सामान्य तौर पर पेसमेकर की लीड हृदय तक पहुंचाई जाती है। इस वजह से पारंपरिक लीड बेस्ड पेसमेकर लगाना संभव नहीं था। इसके बाद मेडिकल टीम ने एडवांस माइक्रा एवी-टू लीडलेस पेसमेकर तकनीक को चुना।

डॉ. श्रीपद खैरनार ने बताया कि यह डिवाइस बिना सर्जिकल पॉकेट और तारों के सीधे हृदय के भीतर लगाया जाता है। इससे संक्रमण और लीड से जुड़ी जटिलताओं का खतरा कम हो जाता है, साथ ही मरीज तेजी से रिकवर करता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग और वैस्कुलर समस्याओं वाले मरीजों में यह तकनीक काफी प्रभावी साबित हो रही है।

लिटिल मास्टर नाईट क्रिकेट कप : द आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी आठ विकेट से जीती

मुरादाबाद।
द आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी व जीपी क्रिकेट अकैडमी के बीच 30-30 ओवर का क्रिकेट मैच सम्पंन हुआ। जिसमें जीपी क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग चुनी। द आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी ने आठ विकेट से जीत हासिल की।

जीपी क्रिकेट अकैडमी ने पहले बैटिंग करते हुए 30 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 162रन बनाए। जिसमें नीलेश ने 34बॉल में 34 रन और राहुल प्रताप ने 49बॉल पर 32 रन की पारी खेली। द आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए ईशा ने 3 विकेट व सक्षम,आयशा और इजरान ने 1-1 विकेट लिए। द आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी ने बल्लेवाजी करते हुए 26.5 ओवर में 2विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जिसमे रियाज ने 57बॉल पर 77रन की व उदय ने 43बॉल में 29रन की पारी खेली। जीपी क्रिकेट एकेडमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए तन्मय और नभ 1-1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार तीन विकेट लेने वाली ईशा को दिया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2 लाख 44 हजार से अधिक वादों का निस्तारण, 12 करोड़ से ज्यादा धनराशि वसूल

कानपुर।
"राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक वादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कर आमजन को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।" यह बातें जिला जज अनमोल पाल ने शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के शुभारंभ के दौरान कही।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला जज अनमोल पाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान नोडल अधिकारी रश्मि सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनव तिवारी समेत न्यायिक अधिकारी, कानपुर बार एसोसिएशन और दि लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, वैवाहिक वाद, सिविल वाद, मोटर दुर्घटना वाद, राजस्व वाद, आर्बिट्रेशन वाद तथा बैंक और बीमा कंपनियों से संबंधित मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।

परेड बाजार हटाने का आदेश अमानवीय, दुकानदारों के साथ खड़ी रहेगी कांग्रेस : पवन गुप्ता

कानपुर।
आजादी से पहले से लगने वाला परेड बाजार कानपुर की पहचान और हजारों गरीब परिवारों की रोजी-रोटी का आधार है। दो दिन में बाजार खाली कराने का आदेश अमानवीय है और कांग्रेस दुकानदारों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। यह बातें शनिवार को कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहीं।

आज परेड बाजार के दुकानदारों द्वारा आयोजित धरने में कांग्रेस नेताओं ने पहुंचकर समर्थन जताया। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में पूर्व विधायक सुहेल अंसारी, आलोक मिश्रा, नौशाद आलम मंसूरी समेत कई कांग्रेस नेता धरना स्थल पहुंचे और दुकानदारों व स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

पवन गुप्ता ने कहा कि नगर निगम का आदेश तुगलकी फरमान की तरह है। उन्होंने दावा किया कि संबंधित जमीन नगर महापालिका की नहीं बल्कि नजूल और वक्फ बोर्ड की है। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के गरीब दुकानदारों की दुकानें उजाड़ना गलत है।

गोमती नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबकर मौत

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में चंदवक थाना क्षेत्र में शनिवार को गोमती नदी में नहाते समय दो युवकों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। घटना चंदवक के पुराने पुल के पास की बताई जा रही है, जहां दोनों युवक अपने दोस्तों के साथ स्नान करने गए थे।

मृतकों की पहचान हीरापुर मचहटी ग्राम सभा निवासी प्रवेश यादव (18) पुत्र लौजारी यादव तथा शिवम चौरसिया (20) पुत्र महेश चौरसिया के रूप में हुई है। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे दोनों युवक अपने दोस्तों विशाल गोड़, सूरज यादव, मोनू वर्मा और अजय गोड़ के साथ गोमती नदी में नहाने पहुंचे थे।

हमीरपुर : राष्ट्रीय लोक अदालत में 16188 वादों का निस्तारण

जनपद न्यायाधीश ने फीता काटकर राष्ट्रीय लोक अदालत का किया शुभारम्भ

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में शनिवार को जनपद न्यायालय परिसर, हमीरपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण, हमीरपुर मनोज कुमार राय द्वारा फीता काटकर, दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। जनपद न्यायाधीश ने कहा कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए नियमों के अंतर्गत यथासंभव उदार एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं तथा अधिकाधिक वादों के सौहार्दपूर्ण निस्तारण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि पीड़ित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को त्वरित, सुलभ एवं प्रभावी न्याय प्राप्त हो सके तथा लोक अदालत की भावना सार्थक रूप से साकार हो। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रभु नारायण पाण्डेय ने कहा कि पारिवारिक न्यायालयों में होने वाला समझौता न किसी की हार होती है और न ही किसी की जीत, बल्कि यह आपसी विश्वास, समझदारी एवं पारिवारिक सौहार्द की विजय होती है, जो रिश्तों को टूटने से बचाकर समाज में सामंजस्य एवं शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वंदना अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि न्याय एवं सामाजिक सौहार्द का महापर्व है।

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सचिव के रूप में यह उनकी प्रथम लोक अदालत है, अतः सभी अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं संबंधित विभाग इस जनकल्याणकारी अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता प्रदान करें, ताकि अधिकाधिक वादों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण कर आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जा सके।

ब्यूटी पार्लर की आड़ में अनैतिक देह व्यापार का खुलासा, दो पुरुष एवं चार महिलाएं गिरफ्तार

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित अतरसुइया थाना क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर की आड़ में संचालित हो रहे सेक्स रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने शनिवार देर शाम दो पुरुष एवं चार महिलाओं को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने मौके से छह मोबाइल फोन एवं दो स्कूटी तथा अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया है।

सहायक पुलिस आयुक्त निकिता श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार

को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि नगर के अतरसुइया थान क्षेत्र में कल्याणी देवी मोहल्ला निवासी सुनील कुमार पुत्र जनक केसरवानी के घर में ब्यूटी पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा है। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम एवं अन्य थाने की पुलिस टीम के साथ छापा मारकर अनैतिक देह व्यापार के कारोबार में लिप्त छह महिलाएं एवं दो पुरुष आपत्तिजनक जनक स्थिति में पकड़े गए। पुलिस टीम ने मौके से छह मोबाइल फोन एवं दो स्कूटी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। इस संबंध में अतरसुइया थाने में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शादी की खुशियां मातम में बदली, चिकन के 'लेग पीस' के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

गोरखपुर।
जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिछिया इलाके से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक मैरेज हॉल में चल रहे शादी समारोह के दौरान खाने की प्लेट में 'चिकन लेग पीस' को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दबंगों ने एक युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, बिछिया इलाके के एक मैरेज हॉल में विवाह उत्सव का माहौल था। मेहमान भोजन का आनंद ले रहे थे, तभी नॉन-वेज काउंटर पर 'लेग पीस' को लेकर कुछ युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुँच गई।

आरोप है कि हमलावरों ने एक युवक पर लात-घूसों और लाठियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की खबर मिलते ही शादी की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद मैरेज हॉल में भगदड़ मच गई और कई मेहमान बिना खाना खाए ही वापस लौट गए।

अयोध्या में स्थापित हुआ जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश का पहला स्किल डेवलपमेंट सेंटर, मिशन को मिल रहे प्रशिक्षित कारीगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या बना जल जीवन मिशन के कौशल विकास का मॉडल

अयोध्या।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या जल जीवन मिशन के कुशल कार्यान्वयन और कौशल विकास का अनूठा मॉडल बनकर उभरा है। अयोध्या में स्थापित हुआ जल जीवन मिशन का प्रदेश का पहला स्किल डेवलपमेंट सेंटर, जल जीवन मिशन को मिल रहे प्रशिक्षित कारीगर, जहां जल जीवन मिशन से जुड़े कारीगरों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 550 से अधिक कारीगरों को दक्ष बनाया जा चुका है, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) अयोध्या के द्वारा विकास खंड रुदौली के मुजफ्फरपुर-जलालपुर पेयजल योजना परिसर में स्थापित यह कौशल विकास केंद्र अपनी तरह का पहला और एकमात्र प्रशिक्षण केंद्र है। केंद्र को एक सक्रिय पेयजल योजना के परिसर में स्थापित करने का विशेष लाभ यह है कि प्रशिक्षणार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ वास्तविक कार्यस्थल का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिल रहा है। केंद्र में फिटर, प्लम्बर, मिस्त्री (मेसन) और इलेक्ट्रीशियन जैसे ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रमुख विषयों में पाइप फिटिंग एवं अलाइनमेंट की उन्नत तकनीक, प्लम्बिंग संस्थापन, रिसाव नियंत्रण, ओवरहेड टैंक एवं अन्य संरचनाओं का राजमिस्त्री कार्य, सुरक्षा अभ्यास तथा गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य प्रक्रिया शामिल हैं।

22 बैच में 550 से अधिक कारीगर प्रशिक्षित

अब तक 22 प्रशिक्षण बैच पूरे हो चुके हैं, जिनमें प्रत्येक बैच में 25 प्रतिभागी शामिल रहे। कुल 550 से अधिक कारीगर प्रशिक्षित हो चुके हैं, जिनमें 10 महिलाएं भी शामिल हैं। इन प्रशिक्षित कारीगरों का लाभ न केवल अयोध्या बल्कि सुल्तानपुर और देवरिया जनपदों की जल जीवन मिशन परियोजनाओं को भी मिल रहा है।

धरातलीय प्रभाव सकारात्मक इस पहल से परियोजना स्थलों पर कार्य की गुणवत्ता में सुधार देखा जा रहा है। पाइप जॉइंटिंग में मानकीकरण से रिसाव की घटनाएं घटी हैं, राजमिस्त्री कार्यों की फिनिशिंग बेहतर हुई है और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की संस्कृति विकसित हुई है।

बाहरी श्रमिकों पर निर्भरता कम, स्थानीय को लाभ

स्थानीय प्रशिक्षित कार्यबल की उपलब्धता से बाहरी श्रमिकों पर निर्भरता कम हुई है तथा परियोजनाओं की गति तेज हुई है। दीर्घकालिक प्रभाव में सबसे महत्वपूर्ण योगदान संचालन एवं अनुरक्षण क्षेत्र में हो रहा है।

कच्चे तेल और भू-राजनीति ने तय की भारतीय शेयर बाजार की चाल

विधानसभा चुनाव नतीजों के शुरुआती रुझानों ने दिया सहारा, सप्ताह की मजबूत शुरुआत के बावजूद अंत

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर की सवारी जैसा रहा। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू चुनावी रुझानों ने बाजार की दिशा तय की। शुरुआती उत्साह, मध्य-सप्ताह की जोरदार तेजी और फिर अंत में मुनाफ़ावसूली तथा बढ़ते तनाव के चलते आई गिरावट के बावजूद, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह का समापन मामूली बढ़त के साथ किया, जो निवेशकों की सतर्कता और लचीलेपन दोनों को दर्शाता है। तेल और चुनावी रुझानों का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार शुरुआत देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों से मिले सकारात्मक संकेतों ने बाजार को और गति दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक उछल गया और निफ्टी 24,240 के स्तर को पार कर गया। दिन के अंत में हालांकि आईटी और बैंक शेयरों में कुछ गिरावट दर्ज हुई, पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जहां सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर और निफ्टी 121.75 अंक चढ़कर 24,119.30 पर पहुंच गया। दूसरे दिन मुनाफावसूली और सतर्कता का रुख सोमवार की तेजी के बाद मंगलवार को बाजार में कमजोरी का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही, जिससे निवेशक सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते दिखे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। दिन का कारोबार खत्म होने पर, सेंसेक्स 251.61 अंक गिरकर 77,017.79 पर और निफ्टी 86.50 अंक गिरकर 24,032.80 पर बंद हुआ। वैश्विक संकेतों से मिली ताकत बुधवार का दिन निवेशकों के लिए बेहद शानदार साबित हुआ। वैश्विक मोर्चे पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव के जल्द सुलझने की उम्मीदों ने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। निवेशकों की भारी खरीदारी के दम पर, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 657.22 अंक उछलकर 77,675.01 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 218 अंकों की मजबूत रैली के साथ 24,250.85 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के अंत में यह तेजी और बढ़ गई और सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर तथा निफ्टी 298.15 अंक बढ़कर 24,330.95 पर पहुंच गया, जो सप्ताह की सबसे बड़ी एक दिवसीय बढ़त थी। सप्ताह के अंत में फिर भू-राजनीतिक तनाव और बिकवाली का दबाव गुरुवार को बाजार ने सपाट शुरुआत की, हालांकि शुरुआती बढ़त के बाद बिकवाली के दबाव से नरमी दिखी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा और अंततः सेंसेक्स 114.00 अंक गिरकर 77,844.52 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी लगभग सपाट 4.30 अंक टूटकर 24,326.65 पर रहा। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बाजार पर मध्य-पूर्व से जुड़ी नई भू-राजनीतिक चिंताओं का गहरा असर पड़ा। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य तनाव ने वैश्विक निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया। इस अनिश्चितता के माहौल में बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और भारी मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों (0.66 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 77,328.19 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) फिसलकर 24,176.15 के स्तर पर आ गया। स्थिरता के बीच लचीलापन कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अस्थिरता भरा रहा। भू-राजनीतिक हलचल, कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव, घरेलू चुनाव परिणाम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों ने बाजार को लगातार प्रभावित किया। शुरुआती मजबूती और मध्य-सप्ताह की जोरदार रैली के बावजूद, अंत में मध्य-पूर्व के बढ़ते तनाव और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेला।

हालांकि, सप्ताह के अंत में सोमवार के बंद स्तरों की तुलना में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ समापन किया, जो बाजार के लचीलेपन और निवेशकों के एक बड़े वर्ग द्वारा हर गिरावट पर खरीदारी के रुख को दर्शाता है। आने वाले सप्ताह में भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक टली, वीटो पावर पर मंथन टला, अटकलें तेज

टाटा संस में ट्रस्ट के प्रतिनिधित्व और वीटो पावर की समीक्षा थी मुख्य एजेंडा

मुंबई।

मुंबई में टाटा ट्रस्ट्स की अहम बोर्ड बैठक ऐन मौके पर स्थगित कर दी गई, जिससे कॉर्पोरेट गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस असामान्य स्थगन के पीछे टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के वीटो पावर संबंधी संवेदनशील एजेंडा मुख्य कारण है। जानकार सूत्रों के अनुसार बैठक का मुख्य एजेंडा टाटा संस के निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधित्व की समीक्षा करना था। टाटा संस के अनुच्छेद 121ए के तहत नामित निदेशकों को अहम फैसलों पर वीटो शक्ति प्राप्त है, जिनमें निवेश और नेतृत्व में बदलाव शामिल हैं।

वर्तमान में नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ट्रस्ट के नामित निदेशक हैं।

समीक्षा के परिणामस्वरूप श्रीनिवासन के हटने पर नोएल टाटा अकेले नामित निदेशक रह सकते हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2026 में नोएल टाटा ने एन

चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद पर पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाए थे।

टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एक्जिम बैंक का 2025-26 में मुनाफा बढ़कर 4,273 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 4,273 करोड़ रुपये रहा।बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में 3,243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एक्जिम बैंक ने बयान में बताया कि पूरे वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान उसका कुल कारोबार 13.31 प्रतिशत बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि शुद्ध ऋण पोर्टफोलियो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.07 लाख करोड़ रुपये रहा।आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर 0.57 प्रतिशत पर आ गया। वहीं एनपीए 0.14 प्रतिशत से घटकर 0.01 प्रतिशत पर रहा।

गूगल भारत में एआई और ड्रोन विनिर्माण में करेगा बड़ा निवेश- वैष्णव

कंपनी पहले ही देश में कर रही है पिक्सल फोन और क्रोमबुक का उत्पादन

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल भारत में अपने कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे के विस्तार और सर्वर व ड्रोन के विनिर्माण में बड़े निवेश की संभावना तलाश रही है। यह कदम भारत को वैश्विक एआई हब बनाने की दिशा में एक अहम कड़ी है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गूगल अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि गूगल भारत में एआई बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सर्वर और ड्रोन के विनिर्माण में निवेश के अवसर तलाश रही है। यह घोषणा विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में गूगल द्वारा अप्रैल में 15 अरब अमेरिकी डॉलर के एआई केंद्र की आधारशिला रखने के बाद हुई है।

कंपनी भारत में पहले से ही सक्रिय है; वह फॉक्सकॉन और डिक्सन जैसी कंपनियों के साथ मिलकर अपने पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन करती है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 में एचपी के साथ साझेदारी में चेन्नई के पास क्रोमबुक्स का उत्पादन भी शुरू किया गया था। पिछले महीने, गूगल ने विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में अपने क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर की भी आधारशिला रखी थी। यह मेगा परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्स्ट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है, जिसमें एक गीगावॉट क्षमता वाला हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर शामिल होगा।

यह भारत में गूगल की बढ़ती उपस्थिति और निवेश प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिक्षा के लिए 30 दिन शेयर मूल्य आंकड़ों का होगा उपयोग सेबी

नया नियम 1 जुलाई से प्रभावी होगा

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शेयर मूल्य आंकड़े साझा करने के नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अब इन उद्देश्यों के लिए 30 दिन पुराने शेयर मूल्य आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। यह नई रूपरेखा 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी। सेबी ने एक परिपत्र में स्पष्ट किया कि इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बाजार आंकड़ों के संभावित दुरुपयोग को रोकना और साथ ही शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता को बनाए रखने के बीच एक उचित संतुलन स्थापित करना है। नियामक ने यह फैसला उन सुझावों के आधार पर लिया है जहां एक दिन की देरी को आंकड़ों के दुरुपयोग की आशंका पूरी तरह कम करने में अपर्याप्त पाया गया, जबकि तीन महीने की देरी से शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। यह संशोधन सेबी द्वारा इस संबंध में किए गए पिछले बदलावों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। मई 2024 में, सेबी ने लाइव बाजार आंकड़ों के उपयोग को केवल कारोबार और संबंधित कार्यों तक सीमित कर दिया था, और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक दिन की देरी के साथ डेटा उपयोग की अनुमति दी थी। इसके बाद, जनवरी 2025 में, नियमों को और सख्त करते हुए केवल शैक्षणिक गतिविधियों में लगे संस्थानों के लिए तीन महीने पुराने

आंकड़ों के उपयोग की शर्त लागू की गई थी।

ई 30 दिन की एकसमान समय-सीमा अब शैक्षणिक संस्थानों को सामग्री तैयार करने और कक्षाओं या अन्य माध्यमों में उपयोग दोनों के लिए समान मानदंड प्रदान करेगी। हालांकि, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) को अपने सिमुलेशन लैब में उपयोग के लिए एक दिन की देरी के साथ बाजार मूल्य आंकड़ों तक पहुंच मिलती रहेगी।

8वें वेतन आयोग से केंद्रीय कर्मचा रियों का न्यूनतम बेसिक हो सकता है 69,000 रुपए

वेतन आयोग की टीम ने देश के सभी राज्यों में पूरी कीं बैठकें

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। 8वें वेतन आयोग की कवायद तेज हो गई है और आयोग की टीम ने देशभर में अपनी बैठकें लगभग पूरी कर ली हैं। इन बैठकों में कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांगों को गहराई से समझा गया है।

अब तक की चर्चाओं में जो सबसे अहम मांग उभरकर आई है, वह है फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.83 करना और न्यूनतम मूल वेतन को मौजूदा 18,000 रुपये से सीधे 69,000 रुपये तक पहुंचाना। यदि आयोग इन मांगों को स्वीकार करते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपता है और ये लागू होती हैं, तो केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक 8वें वेतन आयोग की टीम ने दिल्ली, पुणे और उत्तराखंड जैसे प्रमुख राज्यों में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठकें की हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के वेतन ढांचे में सुधार और उनकी वास्तविक आर्थिक जरूरतों को समझना था। इन संवादों के बाद अब आयोग अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में जुटा है, जिसे जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.83 लागू होता है, तो कर्मचारियों की सैलरी में चौंकाने वाला इजाफा होगा। उदाहरण के लिए, वर्तमान में न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये है, जो 3.83 फिटमेंट फैक्टर के साथ बढ़कर सीधा 69,000 रुपये हो जाएगा।

यह वृद्धि सभी स्तरों के कर्मचारियों पर लागू होगी।

संभावित वेतन वृद्धि के कुछ उदाहरण- लेवल 1 (चपरासी, अटेंडेंट) का वेतन 18,000 रुपये से बढ़कर 69,000 रुपये हो सकता है, मिड लेवल पर लेवल 7 के कर्मचारी का वेतन 44,900 रुपये से बढ़कर 1.72 लाख रुपये तक पहुंच सकता है, उच्च स्तर के अधिकारियों, जैसे कि लेवल 13, का वेतन 1.23 लाख रुपये से बढ़कर 4.71 लाख रुपये और शीर्ष स्तर (लेवल 18) पर 2.50 लाख रुपये से बढ़कर 9.57 लाख रुपये तक हो सकता है।

बाजार की अस्थिरता के बीच चमके मल्टीबैगर शेयर, दिया 200 फीसदी मुनाफा

सेंसेक्स में गिरावट के बावजूद 5 कंपनियों के शेयरों ने एक साल में निवेशकों की पूंजी की दोगुनी-तिगुनी

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में बीते एक साल से जारी भारी उतार-चढ़ाव और अस्थिरता के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। जहां सेंसेक्स में 2.50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निफ्टी 50 ने मामूली बढ़त दिखाई। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी, इन मल्टीबैगर शेयरों ने 100 फीसदी से 200 फीसदी तक का जबरदस्त रिटर्न देकर निवेशकों की पूंजी कई गुना बढ़ा दी। इन मल्टीबैगर शेयरों में फोर्स मोटर्स, अडानी पावर, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स और हिन्दुस्तान कॉपर शामिल हैं। इन कंपनियों के शेयरों पर बाजार की अस्थिरता का कोई खास असर नहीं पड़ा और इन्होंने निवेशकों को शानदार मुनाफा कमाकर दिया। विशेष रूप से एथर एनर्जी के शेयर ने तो निवेशकों के लिए पैसा छापने की मशीन का काम किया, जिसने एक साल में 203 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया। यानी अगर किसी निवेशक ने एक साल पहले इसमें 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वह राशि अब 3 लाख रुपए से अधिक हो जाती। ये शेयर दर्शाते हैं कि सही कंपनियों में निवेश करने पर बाजार की विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतरीन रिटर्न हासिल किया जा सकता है।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने सरकार से की 1500 प्र ति क्विंटल सब्सिडी की मांग

उत्पादन लागत भी न मिल पाने पर जताई चिंता, राहत न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

मुंबई।

महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसान कीमतों में भारी गिरावट और उत्पादन लागत में अभूतपूर्व वृद्धि के चलते आर्थिक तबाही का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से प्याज की कीमतें लगातार गिर रही हैं, जबकि बीज, खाद, कीटनाशक, मजदूरी, सिंचाई, बिजली और परिवहन जैसे खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। संघ के अनुसार किसान अपनी उत्पादन लागत भी वसूल नहीं पा रहे हैं। संघ ने कई किसानों की आपबीती भी साझा की, जिसमें सोलापुर में एक किसान को 41 बोरी प्याज बेचने के बाद मात्र 519 रुपये का लाभ हुआ, जबकि नासिक में एक किसान को 50 पैसे प्रति किलोग्राम कीमत मिलने पर आत्महत्या का प्रयास करना पड़ा। छत्रपति संभाजीनगर जिले में भी किसानों ने कम कीमतों के विरोध

में प्याज की नीलामी रोक दी। संघ ने केंद्र और राज्य सरकारों से तुरंत 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने, प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने, बाजार समितियों में कमीशन को नियंत्रित करने, किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने और प्याज के लिए एक गारंटीशुदा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करने की मांग की है। संगठन ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

यदि तत्काल राहत उपायों की घोषणा नहीं की गई, तो पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

एयर इंडिया घाटे वाले मार्गों पर कम करेगी उड़ानें

हवाई क्षेत्र की पाबंदियां और ईंधन की ऊंची कीमतें बनी वजह

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अपने कुछ मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने या सेवाएं निलंबित करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई क्षेत्र से जुड़ी बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागत के कारण कई उड़ानें अब लाभदायक नहीं रह गई हैं या घाटे में चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने, पश्चिम एशिया में संघर्ष और विमान ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि ने लंबी उड़ान अवधि के साथ मिलकर एयरलाइन की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते कई अंतरराष्ट्रीय मार्ग अब लाभकारी नहीं रह गए हैं, जिससे उन पर संचालन घटाना आवश्यक हो गया है। कुछ मामलों में उड़ानों की आवृत्ति कम की जाएगी, जबकि अन्य पर सेवाएं पूरी तरह से रोकनी पड़ सकती हैं। लागत कम करने के प्रयासों के तहत एयरलाइन ने कर्मचारियों के लिए

वार्षिक वेतनवृद्धि को कुछ समय के लिए स्थगित करने की घोषणा की है। साथ ही, कर्मचारियों से गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने की अपील भी की गई है। विल्सन ने जोर दिया कि नेटवर्क को परिस्थितियों के अनुसार लचीला रखना महत्वपूर्ण है और अनुकूल बदलाव आने पर इन मार्गों पर सेवाएं फिर से शुरू की जा सकती हैं।

एयरलाइन ने अप्रैल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती शुरू की थी, जो मई में जारी रही और जून-जुलाई के लिए भी और कटौती की संभावना है।

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई कें द्रित कार्यालय

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

नई दिल्ली।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है। यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डॉक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लॉई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशॉप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

क्लाउडफ्लेयर ने 1,100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी का किया ऐलान

एआई युग के अनुरूप पुनर्गठन के तहत लिया गया फैसला, प्रभावितों को मिलेगा व्यापक पैकेज

नई दिल्ली।

अमेरिकी कनेक्टिविटी क्लाउड कंपनी क्लाउडफ्लेयर ने वैश्विक स्तर पर 1,100 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने अपने परिचालन ढांचे को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के अनुरूप बदलने के लिए यह कदम उठाया है। यह फैसला तकनीकी उद्योग में एआई के तेजी से बढ़ते प्रभाव और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक बदलावों की ओर स्पष्ट संकेत देता है। कंपनी के एक आंतेरिक मेमो के अनुसार` पिछले तीन महीने में क्लाउडफ्लेयर में एआई का आंतरिक उपयोग 600 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। इंजीनियरिंग, वित्त, मानव संसाधन और मार्केटिंग सहित कई विभागों में कर्मचारी अब अपने रोजमर्रा के कामों के लिए तेजी से एआई एजेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्लाउडफ्लेयर ने स्पष्ट किया है कि यह कदम केवल लागत घटाने या खराब प्रदर्शन के आधार पर की गई छंटनी नहीं है, बल्कि एजेंटिक एआई युग के अनुरूप पूरे संगठन में एक बड़े परिवर्तन का हिस्सा है। मेमो में यह भी कहा गया है कि यह निर्णय नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों की प्रतिभा या काम का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि कंपनी

हर आंतरिक प्रक्रिया, टीम और भूमिका को नए सिरे से डिजाइन कर रही है। प्रभावित कर्मचारियों को सीधे जानकारी दी जाएगी और उन्हें आधिकारिक व व्यक्तिगत दोनों ईमेल पते पर नोटिस भेजी जाएगी। क्लाउडफ्लेयर ने प्रभावित कर्मचो रियों के` लिए एक व्यापक पैकेज की घोषणा की है। इसमें 2026 के अंत तक पूरा मूल वेतन, अमेरिका में वर्ष के अंत तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ और 15 अगस्त तक अतिरिक्त इक्विटी वेस्टिंग लाभ शामिल हैं। जिन कर्मचारियों ने अभी तक अपनी एक साल की वेस्टिंग अवधि पूरी नहीं की है, उन्हें भी अलगाव पैकेज के तहत आनुपातिक इक्विटी वेस्टिंग दी जाएगी। कंपनी इस पुनर्गठन प्रक्रिया को एक ही चरण में पूरा करना चाहती है, ताकि लंबे समय तक अनिश्चितता से बचा जा सके। कंपनी का मानना है कि यह बदलाव उसे तेज और ज्यादा नवोन्मेषी बनाएगा, क्योंकि वह एआई-आधारित उत्पादों और सेवाओं में लगातार निवेश कर रही है।

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

एक बार फिर विराट कोहली पर टीम की बल्लेबाजी का पूरा दारोमदार रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं और लगातार छोटी पारियां खेलकर आउट हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का बल्ला भी इस सीजन शांत रहा है। ऐसे में मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम शानदार लय में नजर आ रही है। पिछले मुकाबले में मुंबई ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। रोहित शर्मा ने चोट से वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। अब एक बार फिर रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत देने की कोशिश करेगी। वहीं जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश और एएम गजनफर जैसे गेंदबाज बेंगलुरु के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पीठ दर्द के कारण वह पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब वह टीम के साथ जुड़ चुके हैं, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए दबाव और रोमांच से भरपूर रहने वाला है।

टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, टीजर रिलीज होते ही फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टीवी डेब्यू का एक शानदार टीजर जारी किया गया, जिसमें 'हिटमैन' नए अंदाज में नजर आए। हालांकि शो का नाम और बाकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया गया है कि इससे जुड़ी पूरी घोषणा जल्द ही सोनी ग्रुप कारपोरेशन के प्लेटफॉर्म पर की जाएगी।

इस समय रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं और शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 55.25 की औसत और 174 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 रन रहा है। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रोहित शर्मा आज भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 508 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.33 की औसत से 20,109 रन बनाए हैं। उनके नाम 50 शतक और 111 अर्धशतक दर्ज हैं। रोहित ने भारत को दो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दो टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक-एक खिताब उन्होंने कप्तान के रूप में दिलाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 159 मैचों में 4,231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। रोहित का टेस्ट और वनडे रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक शामिल हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके नाम 282 मैचों में 11,577 रन दर्ज हैं। रोहित वनडे इतिहास के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उनका 264 रन का व्यक्तिगत स्कोर आज भी वनडे क्रिकेट का सर्वोच्च स्कोर है।

आईपीएल में भी रोहित शर्मा का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह लीग इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277 मैचों में 7,267 रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा रोहित शर्मा अपने मजाकिया अंदाज और बेबाक टिप्पणियों के लिए भी काफी लोकप्रिय हैं। स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई उनकी कई बातें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जिसके चलते वह क्रिकेट के साथ-साथ 'मीम मटीरियल' के रूप में भी फैंस के बीच बेहद चर्चित रहते हैं।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु, सैराज बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है।

53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व में उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों के साथ काम किया। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें भारतीय टीम से जोड़ने की विशेष सिफारिश की थी। श्रीलंका दौरे पर भी वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2026 से पहले सैराज बहुतुले पंजाब किंग्स से जुड़े थे, जहां वह मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स में राहुल द्रविड़ के साथ भी कोचिंग भूमिका निभा चुके हैं। माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए उन्हें पंजाब किंग्स का कार्यकाल समय से पहले छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय टीम में योगदान देने के अवसर को देखते हुए फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। फिलहाल बहुतुले ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

प्रिंस यादव की रफ्तार ने जीता दिल, अंबाती रायुडू बोले- जल्द टीम इंडिया में मिलेगा मौका

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपनी धारदार गेंदबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने जिस तरह से मैच का रुख पलटा, उसने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने तो यहां तक कह दिया कि प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। रायुडू ने उनके प्रदर्शन को बेहद खास बताते हुए कहा कि इस युवा गेंदबाज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता दिखाई देती है। अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रिंस यादव का आत्मविश्वास और गेंदबाजी का तरीका उन्हें बाकी युवा गेंदबाजों से अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रिंस का रन-अप देखकर ही समझ आता है कि वह बल्लेबाज पर दबाव बनाने के इरादे से गेंदबाजी करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह लगातार स्टंप लाइन पर गेंद डालते हैं और बल्लेबाजों को गलती करने के लिए मजबूर कर देते हैं। रायुडू ने खास तौर पर विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह गेंद टूर्नामेंट की सबसे शानदार गेंदों में से एक थी। गेंद आखिरी समय में जिस तरह अंदर की ओर स्विंग हुई और सीधे स्टंप्स से टकराई, उसे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल था। रायुडू ने कहा कि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज उस गेंद पर संघर्ष करता। उन्होंने यह भी कहा कि विराट कोहली जैसे बड़े बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करना किसी युवा गेंदबाज के लिए बेहद खास उपलब्धि होती है। मुकाबले में प्रिंस यादव ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन अहम विकेट अपने नाम किए। उन्होंने विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जितेश शर्मा को भी पवेलियन भेजा। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुकाबला 9 रन से जीत लिया।

इटेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, युवा प्रिज़मिक ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया

रोम (एजेंसी)। इटेलियन ओपन 2026 में टेनिस जगत को बड़ा झटका लगा जब छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। क्रोएशिया के युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी सर्बियाई स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ प्रिज़मिक ने टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बना ली और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि नोवाक जोकोविच आसानी से मैच पर कब्जा जमा लेंगे। पहले सेट में उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। बेहतरीन ड्रॉप शॉट, तेज फोरहैंड विनर्स और सटीक सर्विस की बदौलत जोकोविच ने शुरुआती सेट 6-2 से अपने नाम किया। उस समय प्रिज़मिक दबाव में नजर आ रहे थे और जोकोविच पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थे। लेकिन दूसरे सेट से मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई।

दूसरे सेट में डिनो प्रिज़मिक ने आक्रामक टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत से ही जोकोविच पर दबाव बनाया और लगातार शानदार रिटर्न के दम पर तेजी से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर जोकोविच की पहली सर्विस कमजोर पड़ने लगी, जिसका पूरा फायदा युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने उठाया। प्रिज़मिक ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मुकाबले में जोरदार वापसी की और जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं और मुकाबला रोमांचक होता गया। हालांकि पांचवें गेम में प्रिज़मिक ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर लिया, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने संयम बनाए रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा खिलाड़ी की इस जीत ने पूरे टेनिस जगत को चौंका दिया।

हार के बाद नोवाक जोकोविच ने स्वीकार किया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि उनका खेल बेहद खराब नहीं था, लेकिन वह कई मौकों पर आधा कदम पीछे रह गए। साथ ही उन्होंने डिनो प्रिज़मिक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी ने बेहद उच्च स्तर का टेनिस खेला और खासकर उसके फोरहैंड में काफी सुधार देखने को मिला। अब टूर्नामेंट में सबकी निगाहें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पर होंगी, जो शनिवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वहीं महिला वर्ग में चीन की झेंग किनवेन का मुकाबला पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से होगा।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते। मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है। आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना। मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं। नेमार और मेसी ने लंबे समय तक क्लब फुटबॉल में साथ खेला है। दोनों 2013 से 2017 तक एफसी बार्सिलोना के लिए खेले, जबकि 2021 से 2023 तक दोनों पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब में भी टीम साथी रहे। फिलहाल नेमार चोटों से जूझ रहे हैं। अपने बचपन के क्लब सांतोस फुटबॉल क्लब में वापसी के बाद से वह लगातार फिटनेस समस्याओं से परेशान रहे हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ बने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, प्रतिष्ठित सम्मान पर जमाया कब्जा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन पुरस्कार में इस बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी विमेंस की स्टार स्ट्राइकर खादिजा शॉ ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में ब्रूनो फर्नांडिस को साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया, जबकि महिला वर्ग में 'बनी' शॉ के नाम से मशहूर खादिजा शॉ ने लगातार दूसरी बार यह सम्मान हासिल कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल जगत में इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को बेहद खास माना जा रहा है।

पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस ने इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने गोल करने के साथ-साथ गोल बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई और कुल 19 गोल योगदान के जरिए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई। क्लब के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन ब्रूनो लगातार टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी साबित हुए। उनकी कप्तानी और शानदार नेतृत्व क्षमता ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। यही वजह रही कि फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से ज्यादा सदस्यों में से 45 प्रतिशत वोट ब्रूनो फर्नांडिस के पक्ष में पड़े।

ब्रूनो ने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के डेक्लान राइस और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वेन रूनी के बाद यह सम्मान जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1947 से दिया जा रहा है और इसे दुनिया के सबसे पुराने व्यक्तिगत फुटबॉल सम्मानों में गिना जाता है।

महिला वर्ग में खादिजा शॉ ने एक बार फिर अपनी जबरदस्त गोल स्कोरिंग क्षमता से सभी को प्रभावित किया। मैनचेस्टर सिटी विमेंस की इस स्टार स्ट्राइकर ने 21 मुकाबलों में 19 गोल दागकर टीम को 10 साल बाद महिला सुपर लीग का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उनकी शानदार फॉर्म पूरे सीजन चर्चा में रही। शॉ ने इस रेस में एलेसिया रूसो और लॉरेन जेम्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीतकर उन्होंने महिला फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान और भी पुख्ता कर ली है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ ने पूरे सीजन जिस निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन किया, उसने उन्हें इस सम्मान का सबसे बड़ा दावेदार बना दिया। दोनों खिलाड़ियों ने साबित किया कि टीम के लिए लगातार योगदान और निर्णायक मौकों पर प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाता है।

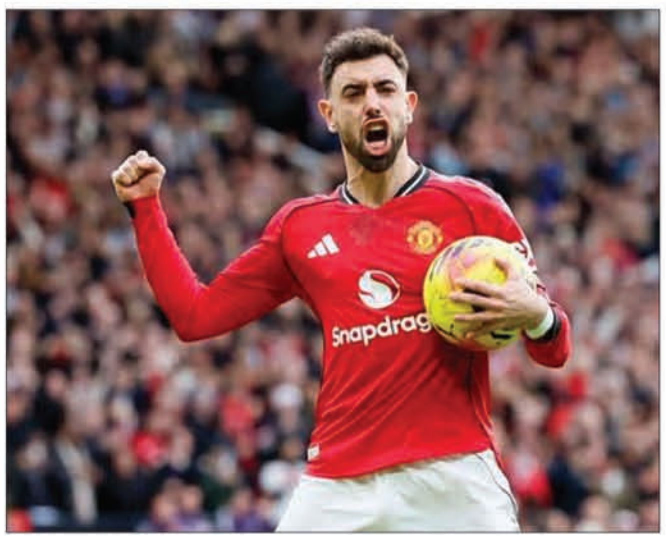

आईपीएल के बीच अर्शदीप सिंह की व्लॉगिंग पर बीसीसीआई की रोक,ई-सिगरेट विवाद के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने का निर्देश दिया है। यह कदम उनके टीम साथी युजवेंद्र चहलद्य से जुड़े कथित ई-सिगरेट विवाद के बाद उठाया गया है। दरअसल, अर्शदीप सिंह के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई थी। यूजर्स ने दावा किया कि पंजाब किंग्स की टीम जब अहमदाबाद से हैदराबाद जा रही थी, तब फ्लाइट के अंदर युजवेंद्र चहल ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखाई दिए। हालांकि इस मामले में अब तक न तो खिलाड़ियों की ओर से और न ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई ने अर्शदीप सिंह को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के दौरान किसी भी तरह के व्लॉग या बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। बोर्ड नहीं चाहता कि ड्रेसिंग रूम या टीम के निजी माहौल से जुड़ी कोई ऐसी चीज सार्वजनिक हो, जिससे विवाद पैदा हो या लीग की छवि प्रभावित हो। आईपीएल 2026 में ई-सिगरेट से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले रेयान पराग भी विवादों में आ चुके हैं।

हरी सब्जियों से घरेलू उपचार

सेहत व सौन्दर्य प्रदान करती हैं सब्जियाँ

आहार में हरी सब्जियों की बड़ी भूमिका होती है। हमारे शरीर के लिए सभी आवश्यक तत्व हरी सब्जियों से मिल जाते हैं, ये सेहत व सौन्दर्य प्रदान करती हैं। हरी सब्जियों से प्राप्त तत्व शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास करते हैं। इनके सेवन से पाचन शीघ्र होता है, बिगड़ा हुआ पाचन सुधरता है, शरीर को पौष्टिकता प्राप्त होती है और सबसे बड़ी बात सौन्दर्य में वृद्धि होती है।

संसारभर के पुरुष व महिलाएँ स्वास्थ्य तथा सौंदर्य चाहते हैं, किन्तु कोई भी प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या अपनाना नहीं चाहता। डिब्बाबंद आहार का चलन बहुत बढ़ा है। रेडीमेड खाद्य पदार्थ, हॉटडॉग इस आपाधापी के जीवन में ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्राकृतिक चिकित्सा वास्तव में चिकित्सा कम जीने की कला, आत्मसाक्षात्कार का विज्ञान अधिक है। यह चिकित्सात्मक की अपेक्षा रक्षात्मक अधिक है। यदि हम अपना खान-पान बदल लें तो जीवन पद्धति बदल जाएगी। शक्ति ऊर्जा अर्जित होने लगेगी। जहा शक्ति है, वहीं स्वास्थ्य है, वहीं सौन्दर्य है।

अन्न कम खाएँ, सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें, वह भी रसेदार बनाकर। इससे शरीर के भीतर के अंग पुष्ट होते हैं, शरीर सुचारु रूप से कार्य करता है। व्यक्तित्व में स्वत: निखार आने लगता है। भीतर की उष्मा जब बाहर झलकती है तो वही स्वास्थ्य कहलाता है, वही सौंदर्य बनकर दमकता है।

कुछ सब्जियाँ तो बहुत उपयोगी हैं, जैसे करेला पेट के कृमि नष्ट करता है। रक्त शोधन कर, अग्नाशय को सक्रिय करता है।

- टमाटर रक्त बढ़ाता है एवं त्वचा निखारता है।
- नीबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।
- पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है। पत्तेदार सब्जी लौह तत्व से भरपूर होती है अत: इन सबका उचित रूप से सलाद में प्रयोग करें।
- भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है, शुक्राणु बढ़ाती है।
- लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है, शीतलता प्रदान करती है।
- खीरा रक्तकणों का शोधन करता है व इसका प्रवाह बढ़ाता है।
- लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देता अत: हृदय रोग में लाभकारी है।
- परवल शरीर को ऊर्जा देती है।
- गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते हैं। इनको बनाते समय सावधानी की जरूरत है।

सब्जी को काटने से पूर्व अच्छी तरह धो लिया जाए, काटने के बाद धोने से सब्जी के तत्व नष्ट होते हैं। पकाते समय अधिक तेल डालने व ज्यादा देर तक आग पर रखकर स्वाद के लालच में कहीं सब्जियों की पौष्टिकता नष्ट हो जाती है। अधिक मिर्च-मसाले से भी सब्जी का स्वाद कम हो जाता है।

ताजी सब्जियाँ, ताजा बनाकर सेवन करना ही हितकर होता है। बासी, फ्रिज में रखी, बार-बार गरम करके परोसी गई सब्जी में पौष्टिक तत्व खत्म हो चुके होते हैं।

दैनिक जीवन में सब्जियों का सेवन बढ़ाकर देखें, हाजमा ठीक रहेगा, गैस, एसिडिटी नहीं होगी एवं उत्साह बढ़ेगा। इससे आपका व्यक्तित्व निखरेगा। आप आयु से सदैव कम दिखाई देंगे।

बुजुर्ग कहा करते थे कि तिजोरी में धन होता है तो चेहरे पर चमक झलकती है अर्थात यदि लक्ष्मी (रुपया-पैसा) हमारी तिजोरी में हो तो चेहरा स्वत: खिला-खिला रहता है। अमीरी छिपाए नहीं छिपती। ठीक उसी प्रकार हमारा शरीर यदि भीतर से संपन्न, स्वस्थ है तो बाहरी तौर पर भी सुंदर दिखेगा।

जुलाब की आदत नुकसानदेह

जुलाब लेने का सही तरीका

लंबे समय तक अपच बनी रहे तो कब्ज रहने लगती है और लंबे समय तक कब्ज रहे तो कई प्रकार की व्याधियाँ पैदा होने लगती हैं। ठीक तरह चबाकर न खाने, असमय खाने, भारी पदार्थों का अति सेवन करने से कब्ज होता है।

कई लोग कब्ज में जो मिले वह जुलाब ले लेते हैं, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम जुलाब लेने का तरीका बता रहे हैं, इसे प्रयोग करें।

जुलाब : सनाय की डंठलरहित पत्तियाँ 50 ग्राम, मुलहठी का चूर्ण 50 ग्राम, सौंफ 25 ग्राम, गुलाब के फूल 25 ग्राम और मिश्री 150 ग्राम, इन सभी को बारीक कर छानकर मिला लें।

सोते समय आधा या एक चम्मच चूर्ण पानी या दूध के साथ ले लें। दूसरे दिन पेट एकदम साफ हो जाएगा। इसके सेवन से जुलाब की आदत भी नहीं पड़ती, फिर भी इसे लगातार सेवन नहीं करना चाहिए।

हेल्थ प्लस

तरबूज के बीज भी गुणकारी

जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है परंतु साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज :

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है।
- बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दाँतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।

इन बातों का विशेष ध्यान रखें :

- तरबूज खाकर तुरंत पानी या दूध-दही या बाजार के पेय नहीं पीने चाहिए।
- तरबूज खाने के 2 घंटे पूर्व तथा 3 घंटे बाद तक चावल का सेवन न करें।
- गर्म या कटा बासी तरबूज सेवन न करें। इससे कई बीमारियाँ फैलने की आशंका रहती है।

मस्तिष्क कैन्सर (ब्रेन ट्यूमर)

मस्तिष्क कैन्सर यानी ब्रेन ट्यूमर एक खतरनाक रोग है। समय रहते इसका उचित इलाज नहीं कराया गया तो यह जानलेवा साबित होता है।

ब्रेन ट्यूमर 3 से 12 या 15 वर्ष की आयु में अथवा 50 वर्ष की आयु के बाद होता है। यह रोग पुरुष या महिलाएँ किसी को भी हो सकता है। यह रोग विशेष प्रकार के विषाणु के संक्रमण से हो सकता है या प्रदूषित पदार्थों का श्वसन क्रिया के साथ प्रवेश करना रोग की उत्पत्ति का कारण हो सकता है।

सिर दर्द के लक्षण को लोग साधारण समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। ज्यादातर होता यह है कि यह दर्द निवारक औषधियों से ठीक हो जाता है। जब यह साधारण दवा से ठीक नहीं होता तो, लोग दवा की मात्रा बढ़ाते जाते हैं, यह घातक हो सकता है।

सिर दर्द के अनेक कारण हो सकते हैं, जिसमें मामूली जुकाम से लेकर रक्तचाप, गुर्दे व हृदय तक की बीमारी हो सकती है। इन बीमारियों से मस्तिष्क के प्रभावित होने पर सिर दर्द के लक्षण मिलते हैं।

मस्तिष्क कैन्सर के लक्षण

- मस्तिष्क कैन्सर का एक लक्षण सिर दर्द भी है, जो प्राय: प्रात:काल बहुत तेज होता है और जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, सिर दर्द कम होना शुरू हो जाता है। यह दर्द प्राय: सिर के सामने अथवा पीछे की ओर अधिक होता है।
- इस दर्द के प्रारंभ में साधारण दर्द निवारक दवाओं से तो आराम मिल जाता है, लेकिन फिर इन दवाओं का प्रभाव भी खत्म होता जाता है, साथ ही सिर दर्द की तीव्रता बढ़ती ही जाती है।
- मस्तिष्क कैन्सर या ब्रेन ट्यूमर में सिर दर्द की तीव्रता के साथ-साथ अन्य लक्षण, जैसे शरीर में चैतन्यता की असामान्यता, किसी विषय पर बार-बार सोचने के लिए बल का प्रयोग करना, दृष्टि में बदलाव, चलने, स्पर्श, सूंघने, सुनने आदि की क्रियाओं में परिवर्तन के लक्षण दृष्टिगोचर होने लगते हैं।
- मस्तिष्क अथवा इससे संबंधित क्रियाओं में अचानक परिवर्तन आ जाता है। इसका कारण मस्तिष्क के अंदर किसी अनावश्यक कोश की वृद्धि का होना होता है, जो शरीर के किसी अन्य भाग में गाँठ या घाव का प्रतिरूप है। जैसे ही इसके विकास की गति तीव्र होती है, सिर के साथ गर्दन में भी दर्द होने लगता है और रोगी अचानक बेहोश हो सकता है।

मस्तिष्क कैन्सर निदान का तरीका

- इस बीमारी का उपचार बीमारी के लक्षण और परीक्षण से ही कुछ हद तक हो जाता है। फिर भी परीक्षण के बाद विशेष प्रकार की जाँच, जैसे सिर का एक्स-रे, कैंट स्केन, रीढ़ की हड्डी से पानी की जाँच आदि से रोग की पुष्टि हो जाती है। आज इस रोग का उपचार रोग की प्रारंभिक अवस्था में करना बहुत ही आसान हो गया है।
- शल्य चिकित्सा, रेडियो थेरेपी तथा दवाएँ इस रोग के उपचार के लिए प्रभावी सिद्ध हुए हैं। रोग की स्थिति के अनुसार उपरोक्त विधियों से उपचार किया जाता है।
- सिर दर्द किसी प्रकार का भी हो, हर व्यक्ति को इसके प्रति सचेत रहना चाहिए। उपरोक्त लक्षण प्रतीत हों तो शीघ्र ही परीक्षण कराकर रोग की पुष्टि करा लेना चाहिए, क्योंकि किसी भी बीमारी की चिकित्सा प्रारंभिक अवस्था में आसानी से की जा सकती है।

क्यों बदलता है टीनएजर्स का मूड

अकसर पेरेंट्स को टीनएज बच्चों के बिहेवियर को लेकर शिकायत रहती है। पर क्या आप जानते हैं कि दिमाग के विकास की धीमी गति काफी हद तक टीनएजर्स में स्वार्थ, चिड़चिड़ेपन व लापरवाह रवैए की वजह बनता है अभी तक साइकोलॉजिस्ट टीनएजर्स के इस अप्रिय बिहेवियर की वजह हॉर्मोन को मानते रहे हैं। पर हाल में ब्रेन स्कैन से मिले नतीजे किसी और ही बात का इशारा करते हैं। मैरीलैंड के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ के रिसर्चर जे. गाइड की ओर से की गई इस स्टडी में टीनएजर्स के भीतर बड़े पैमाने पर शारीरिक ढांचे में आए बदलावों को देखा गया। उनकी टीम ने 400 बच्चों के विकास का अध्ययन कर इस बात का पता लगाया। किशोरावस्था दिमाग पर असर करती है। इस दौरान बच्चे हर साल ग्रे मैटर (ब्रेन पार्ट) का एक परसेंट खोते हैं।

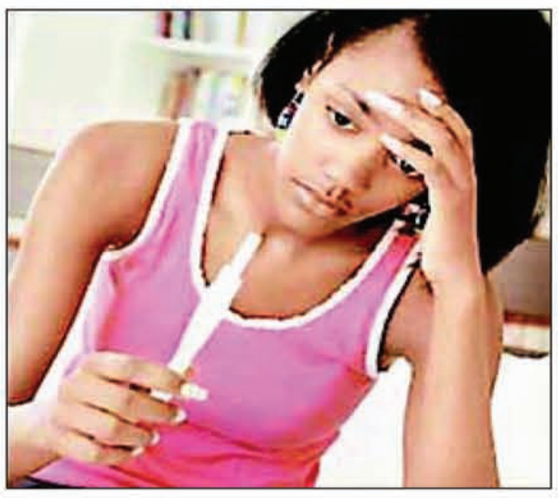

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3884

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आगे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए। किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता है।

उदाहरणत: 1+2=3, 1+3=4, 7+9=16, 8+9=17

काकुरो - 3883 का हल

लॉफिंग जौन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3884

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3883

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फा
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -3884

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -3883 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 3884

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली - 3883 का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी